Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 01, अंक 22 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | जगदलपुर, सोमवार 30 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन 2 को

दुर्ग। सिद्धपीठ श्री हनुमान सेवा समिति दीपक नगर दुर्ग सड़क नंबर 3 में मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह एवं हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर दिनांक 02 अप्रैल सुबह 11 बजे आप सभी सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अध्यक्षता विजय अग्रवाल समाजसेवी विशिष्ट अतिथि शिरिष टोपे, सुधीर अग्रवाल, संतोष गोलछा, कांति पारख , राजेश सिंह, प्रकाश सिंह परिहार, राजेश शुक्ला, अरविंदर खुराना, मंदिर समिति एवं समस्त वार्ड वासियों की उपस्थिति में भूमि पूजन का कार्यक्रम किया जा रहा है आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और देश-प्रदेश के विकास में दें योगदान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तन और मन से स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल आधार है। हमारा देश युवाओं का देश है और इसी युवा तरुणाई को सिंचित रखने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब युवा बढ़ेगा तभी समाज और राष्ट्र आगे बढ़ेगा। ऐसे में युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए देश-प्रदेश के विकास में योगदान दें। शर्मा रविवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी में द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित हाफ मैराथन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सरकारी और निजी नौकरियों के साथ स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर प्रदान कर राज्य सरकार ने सवा दो साल में उनका भविष्य सुरक्षित करने का कार्य किया है। शर्मा ने आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य में सरकार की योजनाएं और नीतियां युवाओं पर केंद्रित हैं। युवा इनका स्वयं भी लाभ उठाएं और अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने हाफ मैराथन का फ्लैग ऑफ करने के बाद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान द टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, महिन्द्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी-सीईओ अमित कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। मैराथन में लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई :5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है। सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। सभी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों को 60 दिनों के अंदर अपने दफ्तर कॉलेज कैंपस से हटाने होंगे। इनकी जगह सरकार 90 दिनों के भीतर 'स्टूडेंट काउंसिल' या 'वॉयस ऑफ स्टूडेंट्स' जैसे नए प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, जो पूरी तरह गैर-राजनीतिक होंगे और सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर काम करेंगे। सरकार ने साफकहा है कि अब स्कूल और कॉलेज राजनीति के अड्डे नहीं होंगे, बल्कि सिर्फपढ़ाई के लिए काम करेंगे। लंबे समय से शिक्षा संस्थानों में चल रही राजनीतिक दखल को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

जेवर एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन में सुविधाओं को देखकर मन को संतोष हुआ : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक की कई पोस्ट में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुविधाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन में अत्याधुनिक सुविधाओं को देखकर मन को बहुत संतोष हुआ। इस एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी, निवेश और विकास को एक नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नोएडा के कार्यक्रम में अपार संख्या में जुटे मेरे परिवारजनों का जोश साफ बता रहा है कि यूपी सहित देशभर में हो रहे तेज विकास को लेकर वे कितने उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि आज जिस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार के प्रयासों और हमारी कार्य-संस्कृति का शानदार उदाहरण है। इससे पता चलता है कि युद्ध के वैश्विक संकट के बीच भी भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। हाल ही में हमारी सरकार ने उड़ान योजना को और विस्तार दिया है, जिसके तहत आने वाले वर्षों में छोटे-छोटे शहरों में 100 नए एयरपोर्ट और 200 नए हेलीपैड बनाने की योजना है।

प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए सीएम

माँ कर्मा के आदर्श हमें एकजुट, संगठित और सशक्त बनने की प्रेरणा देते हैं - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए और भक्त माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने सूरजपुर रिंग रोड स्थित भक्त माता कर्मा चौक पहुँचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और माँ कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा का जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है, जो समाज को एकजुटता और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में साहू समाज को एक गौरवशाली, संस्कारित और विकासोन्मुख समाज बताते हुए कहा कि भक्त माता कर्मा, माता राजिम दाई और दानवीर भामाशाह जैसी महान विभूतियाँ इसी समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में साहू समाज की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी यह समाज प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहभागी बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सलवाद के मुद्दे पर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र, जो लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ 400 से अधिक गांवों को मुख्यधारा में लाया गया है और आने वाले समय में बस्तर विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफ्वाहों से बचें और प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को छत्तीसगढ़ में प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि होली से पहले 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि का भुगतान किया गया है, वहीं महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख महिलाओं को 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली है। इसके साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के लिए सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग समाज के संगठनात्मक सशक्तिकरण और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और समाज ने अपने परिश्रम एवं समर्पण से देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के विकास के लिए शिक्षा, संगठन और सामाजिक अनुशासन को आवश्यक बताते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है।

मथुरा विवाद : इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टली, अब 10 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों की प्रस्तावित सुनवाई टाल दी गई है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। इस बहुचर्चित और संवेदनशील मामले पर देशभर की नजरें बनी हुई हैं। हाईकोर्ट में पिछले कई महीनों से इस विवाद से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और विवादित भूमि पर अधिकार की मांग की गई है। अदालत अब 10 अप्रैल को इन याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया तय कर सकती है। वर्तमान में हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की कुल 18 याचिकाएं लंबित हैं। वहीं, मस्जिद पक्ष ने 22 अगस्त को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत एक आवेदन दाखिल किया था। इस आवेदन में सभी समेकित मुकदमों की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है, जिस पर भी अदालत को विचार करना है।

यह मामला केवल हाईकोर्ट तक सीमित नहीं है बल्कि सुप्रीम कोर्ट में भी इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सुनवाई जारी है। दोनों अदालतों में चल रही कार्यवाही के कारण यह विवाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित यह विवादित स्थल लंबे समय से कानूनी और ऐतिहासिक बहस का केंद्र रहा है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं सदी में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में यहां स्थित प्राचीन केशवदेव मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। उनका कहना है कि यह स्थल भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है।

16 को आजीवन कारावास, कोर्ट बोला- कोई नरमी नहीं

मैनाठेर कांडः उकसावे में आकर बर्बाद कर ली जिंदगी

मुरादाबाद (एजेंसी)। मैनाठेर बवाल में 16 दोषियों को उम्रकैद की सजा की जानकारी ने बेरहम हमले के शिकार आईपीएस अशोक कुमार सिंह, उनके पीआरओ रहे रवि कुमार समेत उन तमाम लोगों ने राहत की सांस ली है लेकिन गांव असालतपुरा बघा के उन तमाम घरों में मातम जैसा नजारा है, जिनके परिजनों को सजा सुनाई गई है।

शनिवार शाम से देर रात तक गांव में इसी मामले की चर्चा होती रही। ग्रामीण स्वीकार कर रहे थे कि कुछ लोगों के जरा से उकसावे ने दर्जनों युवाओं को बवाली बना दिया था। सियासी स्वार्थों के लिए सुलगाई गई चिंगारी इतने भयानक शोले में तब्दील हुई कि जिस की आग से कई परिवार आज तक झुलस रहे हैं।

ग्रामीणों में इस बात का मलाल भी है कि जिन नेताओं के बहकावे में आकर ग्रामीणों ने आपा खोया, वे बाद में न किसी का हाल जानने पहुंचे, न ही पैराकारी में मददगार बने। बवाल के बाद के मुकदमों के कारण भागदौड़ से लेकर उस पर होने वाले खर्च को भी ग्रामीणों ने अकेले ही झेला। अपनों को बचाने की पैरवी में कई ग्रामीणों को मकान और जमीन और घर तक बेचने पड़ गए थे। मुकदमों की जद में आने वाले रोजगार से दूर हो गए।

अदालत से मामले की सजा सुनाई जाते ही कचहरी में मौजूद कई ग्रामीणों की आंखें छलक आईं तो असालतपुरा बघा में रातभर जागते लोग उन परिवारों के हालात पर चिंता जताते रहे, जिनके घर में एक ही कमाने वाला था और वह घर का मददगार बनने की बजाय जेल में उम्रकैद की सजा काटेगा।

पुलिस पर हमला कानून व्यवस्था को चुनौती, नरमी असंभव : कोर्ट

बहुचर्चित मैनाठेर कांड में अदालत ने कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने कहा कि पुलिस चौकी और पीएसी की गाड़ियों को जलाना तथा तत्कालीन डीआईजी पर जानलेवा फायरिंग करना कानून व्यवस्था को खुली चुनौती है। पुलिसकर्मियों से मारपीट को भी अदालत ने गंभीर अपराध माना। फैसले में साफकहा गया कि ऐसे मामलों में दोषियों के प्रति नरमी की कोई गुंजाइश नहीं है।

शनिवार को सजा सुनाए जाने से पहले अभियुक्तों के वकीलों ने अदालत से कम सजा देने की अपील की। उनका कहना था कि कई आरोपी बेहद गरीब हैं उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं और घर में कमाने वाला कोई दूसरा सदस्य नहीं है।

चैटजीपीटी की मदद से घर 9.5 करोड़ में बिका :95 लाख ज्यादा कीमत मिली

बिना एजेंट 5 दिन में डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक शख्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके अपना घर करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 9.5 करोड़ रुपए) में बेच दिया है। मियामी में रहने वाले रॉबर्ट लेविन ने घर बेचने के लिए किसी रियल एस्टेट एजेंट की मदद नहीं ली, बल्कि चैटजीपीटी को अपना गाइड बनाया।लेविन ने केवल 5 दिनों के अंदर ही अपने घर की डील क्लोज कर दी। खास बात यह है कि घर की जो कीमत लोकल एजेंट्स ने बताई थी, लेविन को AI की सलाह की वजह से उससे 95 लाख रुपए ज्यादा मिले।न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबर्ट लेविन यह टेस्ट करना चाहते थे कि क्या AI घर बेचने की पूरी प्रोसेस को अकेले संभाल सकता है।उन्होंने घर की सही कीमत तय करने (प्राइसिंग), लिस्टिंग तैयार करने और मार्केटिंग कंटेंट लिखने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया। लेविन ने बताया कि उन्होंने हर छोटे-बड़े फैसले के लिए टूल पर भरोसा किया। चैटजीपीटी ने लेविन को न केवल कंटेंट लिखकर दिया, बल्कि यह भी बताया कि घर को मार्केट में उतारने का सबसे सही समय क्या है ताकि खरीदार तुरंत आकर्षित हों।

होर्मुज संकट के बीच भारत को बड़ी राहत : दो और एलपीजी टैंकर खाड़ी से रवाना

सरकार ने भी गैस को लेकर की ये अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध जैसे हालात के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। देश के दो और एलपीजी टैंकर सुरक्षित रास्ता पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये टैंकर देश की एक दिन की रसोई गैस की जरूरत पूरी करने जितनी गैस लेकर आ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने भी साफकहा है कि देश में गैस और ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए।

सरकारी जानकारी के मुताबिक, बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी जहाज करीब 94 हजार टन गैस लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च तक मुंबई पहुंचेगा, जबकि बीडब्ल्यू ईएलएम अप्रैल तक न्यू मैंगलोर पहुंचेगा। इस्राइल और अमेरिका के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई थी। हालांकि अब कुछ जहाज सुरक्षित निकलने लगे हैं।

क्या पहले भी सुरक्षित पहुंचे हैं गैस टैंकर?

इससे पहले चार भारतीय टैंकर भी सुरक्षित भारत पहुंच चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत करीब 92,612 टन गैस लेकर 26 से 28 मार्च के बीच भारत पहुंचे। वहीं, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी भी इससे पहले गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंच चुके हैं। इससे देश में गैस सप्लाई को बड़ी राहत मिली है।

भारत अपनी करीब 60 प्रतिशत रसोई गैस जरूरत आयात से पूरी करता है। देश में पिछले साल 33.15 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई। इसमें से करीब 90 प्रतिशत गैस पश्चिम एशिया से आती है। ऐसे में होर्मुज रास्ता बंद होने का सीधा असर भारत की सप्लाई पर पड़ता है। अब भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से भी गैस मंगा रहा है।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर घटा दी है। वहीं डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया है। गैस सेक्टर में घरों और ट्रांसपोर्ट को 100 प्रतिशत सप्लाई दी जा रही है। उद्योगों को सीमित गैस दी जा रही है। साथ ही पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ाए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी पर दबाव कम हो।

सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। रोजाना 55 लाख से ज्यादा सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है।

3,300 जगह प्रदर्शन, ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

वॉशिंगटन डीसी(एजेंसी)। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

ट्रम्प के खिलाफअब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर और मैनहट्टन इलाके में भी बड़ी संख्या में लोग जुटे। कई प्रदर्शनकारियों ने ट्रम्प की फोटो के साथ एपस्टीन लिखे हुए पोस्टर लहराए। मिनेसोटा के मिनियापोलिस और सेंट पॉल में करीब 2 लाख लोगों ने ट्रम्प के खिलाफप्रदर्शन किया। अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में प्रदर्शन के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी (ढ्ढष्टश्व) के दफ्तर के बाहर अमेरिकी झंडा जला दिया।

अमेरिका में ज्यादातर जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन लॉस एंजिलिस में कुछ जगहों पर हालात बिगड़ गए। वहां कुछ प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ, जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में नो किंग्स प्रदर्शन के दौरान लोगों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पुतले के जरिए अपना विरोध जताया।

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में नो किंग्स प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी लोगों से अपने ऊपर नकली खून डालने की अपील कर रही थी।अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में प्रदर्शन के दौरान लोगों ने समुद्र तट पर एक बड़ा मानव बैनर बनाया, जिसमें 'ट्रम्प मस्ट गो नाउ' लिखा था। ग्रीस की राजधानी एथेंस में अमेरिकी दूतावास के बाहर युद्ध के खिलाफप्रदर्शन किया

जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं, प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से अपील

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से भारत के सामने आई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जागरूक रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिलकर कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के 132वें एपिसोड में देशवासियों से अपील करते हुए कहा, वो जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं। सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। उन्होंने कहा, मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

सास और ससुर को बहू से भरण-पोषण पाने का कानूनी अधिकार नहीं, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सास-ससुर को अपनी बहू से भरण-पोषण पाने का कानूनी अधिकार नहीं हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता या पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण पाने वालों की सूची में ससुर या सास शामिल नहीं किया गया है। यह फैसला न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की पीठ ने आगरा के राकेश कुमार और एक अन्य की आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी पर दिया है।

आगरा निवासी याचियों ने परिवार न्यायालय में बहू से भरण पोषण की मांग करते हुए अर्जी दायर की, जिसे खारिज कर दिया। इस फैसले को याचियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि याची वृद्ध, अनपढ़ और निर्धन हैं और अपने इकलौते बेटे की मृत्यु के बाद पूरी तरह असहाय हो गए हैं। उनकी बहू उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है और उसे उनके बेटे के सभी सेवा संबंधी लाभ भी प्राप्त हुए हैं, इसलिए नैतिक और कानूनी रूप से उसे अपने सास-ससुर की देखभाल करनी चाहिए।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि नैतिक दायित्व कितना भी मजबूत क्यों न हो, उसे कानूनी बाध्यता के रूप में लागू नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बहू द्वारा अपने सास-ससुर को भरण-पोषण देने की जिम्मेदारी तय करना विधायिका की योजना का हिस्सा नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने आगरा के परिवार न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका को निरस्त कर दिया।

खबर-खास

भंवरपुर चौकी अंतर्गत प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, 3 दिन पहले घर से हुए थे फरार

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला के बसना थानांतर्गत भंवरपुर चौकी क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक प्रेमी जोड़े ने तालाब किनारे पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतकों की पहचान प्रिया नाग (उम्र 20-21 वर्ष), निवासी सलीहा थाना भिलाईगढ़ और सूरज सेन (उम्र 28 वर्ष), निवासी मुड़ीडीह के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों ने मुड़ीडीह स्थित तालाब के किनारे एक इमली के पेड़ पर दुपट्टा और गमछा के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है।

मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक युवती 2-3 दिन पहले अपने-अपने घर से फरार हो गए थे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि प्रेम प्रसंग को लेकर परिवार में विवाह को लेकर विरोध और नाराजगी थी, जो इस आत्मघाती कदम का मुख्य वजह माना जा रहा है। घटना की सूचना पुलिस को सुबह करीब 8:30 बजे मिली, जिसके बाद भंवरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

वैशाली नगर विधानसभा में 11 विकास कार्यों के लिए 28.65 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में जनहित के 11 विभिन्न कार्यों के लिए कुल 28.65 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। विधानसभा क्षेत्र वैशाली नगर विधायक श्री रिकेश सेन की अनुशंसा पर स्वीकृत इन कार्यों के लिए क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त विवरण के अनुसार, स्वीकृत राशि से स्मृति नगर में सरयूपारिय ब्राह्मण समाज भवन के पास सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5.00 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक-36 कैम्प 02 में सार्वजनिक मोदी उद्यान के संधारण व सौंदर्यीकरण हेतु 2.00 लाख रुपए तथा इसी वार्ड में शासकीय मद से निर्मित बाल मंदिर भवन व प्रसाधन कक्ष संधारण हेतु 2.00 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। इसी क्रम में, जी.ई. रोड के बगल में बुद्ध भूमि कोसानगर के पास सार्वजनिक पुरुष एवं महिला प्रसाधन कक्ष निर्माण हेतु क्रमशः 3-3 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक-24 फौजी नगर (सियान सदन) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 5.00 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक-20 वैशाली नगर लोकांगन परिसर में प्रसाधन कक्ष हेतु 3.00 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार प्रजापति भवन के पास 2.00 लाख रुपए तथा खंडेलवाल भवन के पास 3.20 लाख रुपए की लागत से सार्वजनिक प्रसाधन कक्षों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, श्वेतांबर जैन मंदिर के पास और सड़क नंबर जीरो सार्वजनिक डोम शेड के पास वॉटर कूलर लगाने हेतु प्रत्येक वॉटर कूलर (2) हेतु 22,500 रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

जस सेवा के साथ निकाली गई ज्योत जवांर

साजा (समय दर्शन)। ग्राम चीजगांव में चैत्र नवरात्र की महाष्टमी पर्व पर माता का विशेष श्रृंगार कर हवन-पूजन किया गया। प्राचीन परंपरा के अनुसार मां शीतला मंदिर में अष्टमी तिथि को नौ कन्याओं का पूजन किया गया। नवरात्रि में लगातार नौ दिनों तक भक्तों की आस्था माता रानी के लिए बनी रही। शुक्रवार की सुबह रामनवमी तिथि पर ग्राम के शीतला मंदिर व श्रद्धालुओं के घरों में स्थापित ज्योति कलश सहित जवांरा विसर्जन हुआ। मांदर की थाम व जस सेवा के साथ लालपुर-चीजगांव पहुंच मार्ग स्थित तालाब में जवारां विसर्जन किया गया। इस दौरान सैकड़ों-हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

नये प्लेटफॉर्म विस्तार से यात्रियों को मिलेगी सुविधा

दल्लीराजहरा (समय दर्शन)। प्लेटफॉर्म विस्तार एवं नए प्लेटफॉर्म के निर्माण से यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इससे ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान में सुगमता आती है, भीड़-भाड़ कम होती है तथा यात्रियों को चढ़ने-उतरने में अधिक सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, अधिक ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ती है, जिससे समयबद्धता में सुधार होता है और यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्राप्त होता है। इसी कड़ी में रायपुर रेल मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दुर्ग- दल्लीराजहरा सेक्शन में 08 स्टेशनों के प्लेटफर्म की लंबाई को बढ़ाया जा रहा है ताकि 12 कोच की मेमू ट्रेन भी खड़ी हो सकेगी।

यह कार्य सेंक्शन हो चुका है जो लगभग 10.78 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण होगा।

शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा के लिए लोकेन्द्र कुमार कश्यप को मिली बड़ी जिम्मेदारी

विधायक प्रतिनिधि नियुक्ति से शिक्षा क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

जांजगीर/ बिर्रा (समय दर्शन)। जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक बालेश्वर साहू ने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए श्री लोकेन्द्र कुमार कश्यप को शासकीय नवीन महाविद्यालय बिर्रा में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में विधायक कार्यालय से आधिकारिक पत्र जारी कर महाविद्यालय प्रशासन को सूचित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, ग्राम पंचायत बिर्रा निवासी लोकेन्द्र कुमार कश्यप विधायक की अनुपस्थिति में महाविद्यालय की समस्त बैठकों एवं प्रशासनिक कार्यों में विधायक का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस नियुक्ति के बाद महाविद्यालय से जुड़े विकास कार्यों, छात्र-छात्राओं की समस्याओं तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।क्षेत्र के लोगों ने विधायक के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है। स्थानीय युवाओं और विद्यार्थियों में भी इस निर्णय को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि अब महाविद्यालय की समस्याएं और विकास संबंधी मांगें तेजी से शासन-प्रशासन तक पहुंच सकेंगी।

विधायक बालेश्वर साहू द्वारा जारी इस नियुक्ति पत्र के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है और समर्थकों ने इसे क्षेत्र के शैक्षणिक विकास के लिए ऐतिहासिक पहल बताया है।

काम के लिए कार्यकर्ता और कार्यकर्ता के लिए काम यही हमारी कार्यशैली का आधार है- पंकज अग्रवाल

जांजगीर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चाम्पा के जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान मे नगर मंडल बलौदा मे व अकलतरा ग्रामीण मंडल मे विषय वक्ता के रूप मे शामिल होकर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कार्य पद्धति का मूल मंत्र काम के लिए कार्यकर्ता और कार्यकर्ता के लिए काम है और यही हमारी कार्यशैली का मूल आधार है हमारा लक्ष्य सिर्फयोजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर तक पहुंचाना भी है। हर कार्यकर्ता संगठन की ताकत है और हर कार्यकर्ता का सम्मान व उसका विकास हमारी प्राथमिकता है क्योंकि मजबूत कार्यकर्ता ही मजबूत संगठन और मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं हमारी कार्य पद्धति संगठन हमारे लिए सबसे पहले है और व्यक्ति बाद में है ।

हर कार्यकर्ता को सामान अवसर और जिम्मेदारी देना ही हमारा प्रमुख कर्तव्य है जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना और कार्यकर्ताओ से निरंतर संवाद और सहभागिता बनाकर रखने की सीख हमको संगठन से मिलती है।

बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका जरूरी-चातुरी

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बटकी एवं चिवराकुटा में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण को लेकर आयोजित पंचायत एवं बूथ कमेटी गठन कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव एवं विधायक चातुरी नंद मुख्य रूप से शामिल हुए।

इस दौरान ग्राम बटकी में कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं सरायपाली विधायक चातुरी नंद का ग्रामवासियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बाजे-गाजे और पारंपरिक उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पंचायत एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई कमेटियों का गठन किया गया। साथ ही,नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों एवं पंचायत तथा बूथ कमेटियों के पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए गांव-गांव जाकर कांग्रेस की रीति-नीति से लोगों को अवगत कराना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से बूथ स्तर को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही संगठन की असली ताकत है और इसी के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं एवं अधिकारों की लड़ाई प्रभावी ढंग से लड़ी जा सकती है।

विधायक चातुरी नंद ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष परमानंद नायक, जिला उपाध्यक्ष भरत मेश्राम, जिला महामंत्री डॉ. बिरंची बेताल, जिला महामंत्री रूपानंद पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुईपाली के अध्यक्ष तन्मय पंडा, सरायपाली ग्रामीण अध्यक्ष तेजराम पटेल, भंवरपुर अध्यक्ष घसिया सिदार एवं विधायक प्रतिनिधि दीपक साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बिहारी लाल पटेल, दौलतराम पटेल, ग्राम बटकी के सरपंच सुनीता बिहारी नायक, चिवराकुटा के सरपंच मेघा आकाश गुप्ता, कृष्णा पटेल, सिंधु विशाल, अविनाश बाघ, प्रभात पटेल, रघु बाघ, भगत राम पटेल, उत्तम दीप, भीष्म पटेल, चंद्रभानु बारीक, मनोरंजन भोई, विनय पटेल, हिरेन पटेल, गणेश साहू, मंटू बारीक, कैलाश विशाल, संपत पटेल, मोती राम पटेल, चिवराकुटा पंचायत अध्यक्ष बुद्धदेव पंडा, बूथ अध्यक्ष लिंगराज बारीक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साहस, आत्मविश्वास और मेहनत की मिसाल: ग्राम मनियारी की महिलाओं ने लिखी सफलता की नई कहानी

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले के ग्राम मनियारी की महिलाओं ने अपने साहस, मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर आत्मनिर्भरता की एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की है। यह कहानी केवल कुछ महिलाओं की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत की कहानी बन चुकी है। यह दर्शाती है कि यदि सही अवसर, मार्गदर्शन और दृढ़ निश्चय हो, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी बदला जा सकता है।

संघर्ष से शुरू हुई आत्मनिर्भरता की यात्रा

इस कहानी की शुरुआत अनुसूया साहू से होती है, जो बचपन से ही सिलाई कार्य में कुशल थीं। उनके पास हुनर तो था, लेकिन आर्थिक तंगी और संसाधनों की कमी के कारण वे अपनी इस कला को आगे नहीं बढ़ा पा रही थीं। घर की जिम्मेदारियों और सीमित आय के चलते उनका अधिकांश समय घरेलू कार्यों में ही बीत जाता था। उनके मन में कुछ कर दिखाने की इच्छा तो थी, लेकिन परिस्थितियां उनका साथ नहीं दे रही थीं।

मार्च 2024 में महतारी वंदन योजना की शुरुआत उनके जीवन में एक नई उम्मीद लेकर आई। इस योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि मिलने लगी। जहां अधिकांश लोग इस राशि को दैनिक खर्चों में उपयोग कर लेते हैं, वहीं अनुसूया साहू ने दूरदर्शिता दिखाते हुए इस पैसे को बचाने का निर्णय लिया।

उन्होंने लगातार छह महीनों तक इस राशि को सुरक्षित रखा और अंततः एक सिलाई मशीन खरीदी। सिलाई मशीन मिलने के बाद उन्होंने अपने घर से ही काम शुरू किया। शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे ऑर्डर जैसे कपड़ों की मरम्मत और सामान्य सिलाई का काम मिलने लगा, लेकिन उनकी मेहनत और काम की गुणवत्ता के कारण लोगों का विश्वास बढ़ता गया।

एक महिला की पहल से बना महिलाओं का समूह

अनुसूया साहू की इस पहल ने गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। विशेष रूप से ओमकारेश्वरी साहू, जो अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थीं, उन्होंने भी उनसे संपर्क किया। अनुसूया के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से उन्होंने भी सिलाई सीखना शुरू किया और कुछ समय बाद अपनी सिलाई मशीन खरीदकर इस कार्य से जुड़ गईं। धीरे-धीरे यह छोटा प्रयास एक समूह में बदल गया। गांव की अन्य महिलाएं – पार्वती, गंगा और हेमिनी – भी इस पहल से जुड़ गईं। इन महिलाओं ने अनुसूया से सिलाई का प्रशिक्षण लिया और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपने कदम बढ़ाए। इन सभी महिलाओं के बीच सहयोग, एकता और सीखने की भावना ने इस कार्य को और मजबूत बना दिया।

इस पूरी प्रक्रिया में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने इन महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के बारे में जानकारी दी और उनका पंजीकरण करवाया। इस योजना के तहत प्रत्येक महिला को 5000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस राशि का उपयोग महिलाओं ने सिलाई मशीन खरीदने और अपने काम को आगे बढ़ाने में किया। सरकारी योजनाओं के सही उपयोग और जागरूकता के कारण इन महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला और उनका आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया।

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। ये पांचों महिलाएं मिलकर एक सफल सिलाई केंद्र चला रही हैं। वे महिलाओं के लिए ब्लाउज, सूट और बच्चों के कपड़ों के साथ-साथ पुरुषों के कपड़े भी तैयार कर रही हैं।

पुरवाही साहित्य समिति की मासिक काव्य गोष्ठी जरहामहका में सम्पन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा की मासिक काव्य गोष्ठी विगत दिनों जरहामहका में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र परिचर्चा का रहा, जिसमें पुरवाही के दस वर्ष : एक अवलोकन वषय पर विस्तार से चर्चा हुई, जबकि दूसरे सत्र में काव्य पाठ प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ छन्दकार रामकुमार चंद्रवंशी रहे, वहीं अध्यक्षता वरिष्ठ कवि लखनलाल साहू लहर ने की। विशिष्ट वक्ता के रूप में अरविंद कुमार लाल, दिनेश कुरेटी दिलेर उपस्थित रहे। आधार वक्तव्य पुरवाही के संयोजक ओमप्रकाश साहू अंकुर ने प्रस्तुत किया।

वक्ताओं ने पुरवाही साहित्य समिति की स्थापना से लेकर दस वर्षों में हुए कार्यक्रमों, कवि सम्मेलनों और साहित्यिक गतिविधियों पर सार्थक चर्चा की। रामकुमार चंद्रवंशी ने लेखकों को लेखन में मानवीय भूलों को समय रहते सुधारने और समाज को दिशा देने का सुझाव दिया। लखनलाल साहू लहर ने कहा कि किसी भी संस्था का विकास उसके सक्रिय सदस्यों पर निर्भर करता है। अरविंद कुमार लाल ने समिति गठन में शामिल कवियों की मनोरंजक यादें साझा की, जबकि दिनेश कुरेटी दिलेर ने प्रारंभिक कवि सम्मेलनों की स्मृति ताजा की।

आधार वक्तव्य में ओमप्रकाश साहू अंकुर ने संस्थापक अध्यक्ष शिवप्रसाद लहरे के मार्गदर्शन में समिति की दस साल की यात्रा और विभिन्न वार्षिक उत्सवों व कार्यक्रमों की जानकारी दी। गोष्ठी के दौरान यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मई माह में पुरवाही साहित्य समिति का वार्षिक उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर वनांचल साहित्य समिति के जितेन्द्र पटेल और संस्थापक अध्यक्ष शिवप्रसाद लहरे को पुरवाही साहित्य सम्मान-2026 प्रदान किया जाएगा।

महिला टीचर को गिरफ्तारी का डर दिखाकर की 4.50 लाख की ठगी, एफआईआर दर्ज

सरगुजा (समय दर्शन)। सरगुजा जिले में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां ठगों ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर एक महिला शिक्षिका को डराया और उससे 4 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। आरोपी अश्लील फोटो देखने के झूठे आरोप में गिरफ्तारी की धमकी देकर पैसे वसूलते रहे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मिडिल स्कूल कतकालो की शिक्षिका मंजुलिना के साथ हुई। 19 मार्च 2026 को परीक्षा ड्यूटी पूरी कर घर लौटते समय उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच रायपुर का अधिकारी बताते हुए कहा कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखी है, जो कानूनन अपराध है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर बनाया शिकार ठगों ने शिक्षिका को तुरंत गिरफ्तारी की धमकी दी और कहा कि यदि वे बचना चाहती हैं, तो एक सिक्योरिटी मनी जमा करनी होगी, जो जांच पूरी होने के बाद लौटा दी जाएगी। इस धमकी से घबराकर शिक्षिका ठगों के झांसे में आ गईं। किस्तों में ट्रांसफर कराए पैसे डर के कारण शिक्षिका ने अलग-अलग दिनों में यूपीआई के माध्यम से कुल 4 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। 19 मार्च: 1,00,000 रुपये 20 मार्च: 90,000 रुपये 21 मार्च: 40,000 रुपये 22 मार्च: 45,000 रुपये 24 मार्च: 65,000 रुपये 25 मार्च: 50,000 रुपये बताया गया कि कुछ राशि उनके पति ने च्वाइस सेंटर के माध्यम से ट्रांसफर की। धमकी जारी रखी 25 मार्च को ठगों ने दोबारा कॉल कर कहा कि तीन दिन बाद पैसे वापस कर दिए जाएंगे। साथ ही यह भी धमकी दी कि यदि किसी को जानकारी दी गई तो उन्हें गिरफ्तार कर गंभीर नुकसान पहुंचाया जाएगा।

शिक्षिका ने जब यह बात अपने सहयोगियों से साझा की, तब उन्हें एहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हो चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दर्ज की स्नद्धक्रमामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिन मोबाइल नंबरों से कॉल आया, उनकी भी जांच की जा रही है। यह मामला साइबर अपराधियों के नए तरीकों को उजागर करता है, जिसमें वे सरकारी एजेंसी बनकर लोगों को डराकर ठगी करते हैं।

शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र के विकास की आधारशिला: केन्द्रीय मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी

ग्राम नर्मदाधाम सुरसुली में आयोजित निषाद (केंवट) समाज के वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री

बालोद(समय दर्शन)। केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र एवं समाज के विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना किसी भी व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की विकास की परिकल्पना नही की जा सकती है। इसलिए निषाद केंवट समाज के लोगों को अपने बाल बच्चों की पढ़ाई-लिखाई कर विशेष ध्यान देना चाहिए। डॉ. चौधरी आज बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम नर्मदाधाम सुरसुली में जिला निषाद (केंवट) समाज द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन में कार्यक्रम के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। डॉ.चौधरी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं निषाद (केंवट) समाज के प्रदेशाध्यक्ष श्री कुंवर सिंह निषाद ने किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नोहरू राम निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, राष्ट्रीय संत श्री गोपाल नंदन गिरी, डॉ. बीके कश्यप, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री चेमन देशमुख, जनपद अध्यक्ष श्रीमती कांति सोनबरसा, जिला पंचायत सदस्य श्री गुलशन चंद्राकर, श्रीमती प्रभा नायक, श्री चंद्रेश हिरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री डॉ चौधरी ने निषाद समाज के लोगों को नवोदित पीढ़ी को उच्च शिक्षित बनाने तथा नशापान से सर्वथा दूर रहने समझाईश भी दी। इस मौके पर उन्होंने निषाद समाज के वार्षिक अधिवेशन के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंधने वाले वर-वधुओं के बीच पहुँचकर उन्हें अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री डॉ.चौधरी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा शेरनी के दुध के समान है, जो पियेगा वो जरूर दहाड़ेगा। डॉ. चौधरी ने नशापान को समाज के पतन का मुख्य कारण बताते हुए समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में कार्य करने को कहा। डॉ. चौधरी ने कहा कि हमारे आने वाली पीढ़ी तथा बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए माता-पिता का त्याग भी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. चौधरी ने निषाद समाज की गौरवशाली विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निषाद समाज का इतिहास एवं विरासत अत्यंत वैभवशाली है। उन्होंने कहा कि निषाद समाज के लोगों को त्रेता युग में भगवान श्री राम को नौका पार कराने का सुअवसर प्राप्त हुआ था। इसके अलावा कलकत्ता की विश्व प्रसिद्ध काली मंदिर के निर्माण, महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई के नामकरण तथा हड़प्पा संस्कृति के निर्माण में निषाद समाज की लोगों की बहुमूल्य भूमिका रही है। डॉ. चौधरी ने छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों में निषाद समाज के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण के लिए मदद उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की सरहानीय प्रयासों की भूरी-भूरी सराहना की।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत चार मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

हम केवल राजनीति के लिए नहीं, जनसेवा के ईश्वरीय कार्य के लिए भाजपा में हैं : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर :- रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' के अंतर्गत माना मंडल, भाठागांव मंडल, शंकर नगर मंडल और सिविल लाइन मंडल में आयोजित प्रशिक्षण वर्गों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करते हुए उन्हें संगठन की मजबूती और सरकार की जनहितकारी योजनाओं का 'सजग प्रहरी' बनने का आह्वान किया।

ईश्वरीय कृपा है भाजपा का कार्यकर्ता होना– भावुक और ओजस्वी संबोधन में श्री अग्रवाल ने कहा, हम भारतीय जनता पार्टी में इसलिए हैं क्योंकि शायद ईश्वर ने हमें इस माध्यम से लोगों की सेवा करने के लिए चुना है। जिस दौर में हमने राजनीति शुरू की, तब सत्ता की कल्पना भी नहीं थी। हमारे लिए राजनीति का अर्थ केवल संघर्ष, आंदोलन और लाठियां खाना था। उन्होंने अपने छात्र राजनीति के संघर्षों को साझा करते हुए बताया कि कैसे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के समय उन्हें अधिकारों के लिए हाई कोर्ट तक की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती थीं। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, मुझ पर 60 मुकदमे हुए और विचारधारा की रक्षा के लिए 30 बार जेल जाना पड़ा, लेकिन जनसेवा का संकल्प कभी नहीं डगमगाया।

सांस्कृतिक अस्मिता और वैचारिक विजय का काल– श्री अग्रवाल ने भाजपा की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1925 में ञ्स्स् की स्थापना से लेकर जनसंघ और फिर भाजपा का गठन केवल एक राजनीतिक दल का उदय नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व में धारा 370 की समाप्ति और भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण उन्हीं दशकों पुराने संकल्पों की सिद्धि है।

बूथ स्तर पर संगठन को अभेद्य बनाने का आह्वान– सांसद महोदय ने प्रशिक्षण शिविर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि, कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के माध्यम बनें। उन्होंने कहां कि, पहले भाजपा का चिन्ह दीपक था लेकिन वर्तमान में दीपक से कमल तक' की यात्रा अब अंत्योदय से वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रही है। उन्होंने ने कार्यकर्ताओं से आह्वाहन करते हुए कहा कि, संगठन की असली शक्ति बूथ का कार्यकर्ता है, जिसे वैचारिक रूप से सक्षम होना अनिवार्य है। प्रत्येक कार्यकर्ता की यह जिम्मेदारी है कि वह सरकार के कारों और योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाएं। श्री अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की रीति–नीति को आत्मसात करते हुए बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभाएं और जनसेवा को अपना सर्वोच्च धर्म मानें। इस प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में उत्साहित कार्यकर्ता एवं हर वर्ग समाज और धर्म के स्थानीय लोग शामिल हुए उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 'दीपक से कमल तक: एक विचार, एक संघर्ष' विषय पर चर्चा करते हुए बताया गया कि कैसे आज भाजपा 14 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बनकर उभरा है।

विदेशी मुद्रा के नाम पर देश भर में करोड़ो रूपये ठगी करने वाला फरार अंतर्राज्यीय आरोपी अमन शर्मा गिरफ्तार

रायपुर। थाना तेलीबांधा क्षेत्र में टूर एण्ड टेऊवल्स व्यवसायी को बनाये थे अपना निशाना। विदेशी मुद्रा के नाम पर लिये थे अपने झांसे में। प्रकरण में पूर्व में 02 आरोपियों को किया जा चुका है गिरफ्तार। आरोपी अमन शर्मा को किया गया गिरफ्तार। गिरफ्तार आरोपी अमन शर्मा एवं मयंक शर्मा रिश्ते में है सगे भाई। आरोपियान महाराष्ट्र, दिल्ली, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडू, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, मध्य–प्रदेश एवं उत्तर–प्रदेश राज्यों के विभिन्न जिलों के अलग–अलग थाना क्षेत्रों में कुल 22 घटनाओं को दिये है अंजाम। आरोपियों द्वारा अब तक लगभग 03 करोड़ रूपये ठगी करने की जानकारी हुई है प्राप्त। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों की पतासाजी कर उन्हें गिरफ्तार करने के किये जा रहे है हर संभव प्रयास। आरोपियों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 103/2026 धारा 318(4), 3(5), 111 बी.एन.एस. का अपराध किया गया है पंजीबद्ध। प्रार्थी हरदीप सिंह होरा, निवासी गुरुनानक नगर, तेलीबांधा, रायपुर ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ट्रैवल प्लानर नाम से टूर एंड ट्रैवल्स का व्यवसाय करता है, जिसमें एयर टिकट, होटल बुकिंग तथा टूर पैकेज का कार्य किया जाता है। दिनांक 01.03.2026 को शाम लगभग 05:00 बजे मोबाइल नंबर 8460708270 से व्हाट्सएप कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम हर्षित अग्रवाल बताया और अमेरिका व लंदन में होटल बुकिंग कराने की बात कही। प्रार्थी ने व्हाट्सएप चौट के माध्यम से होटल के विकल्प भेज दिए। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने पुन: कॉल कर बैंक खाता विवरण मांगा और अगले दिन भुगतान करने की बात कही। दिनांक 02.03.2026 को दोपहर में उसने प्रार्थी को करेंसी टॉवर, तेलीबांधा के सातवें फ्लोर स्थित जेनेट को–वर्किंग स्पेस में बुलाया और मैसेज कर बताया कि 18,000 यू एस डी 2000 जी बी

पी साथ लेकर आना, जहां उसके भाई रक्षित अग्रवाल द्वारा भारतीय मुद्रा दे दी जाएगी। उसी दिन लगभग 02:40 बजे प्रार्थी वहां पहुंचा और 18,000 यू एस डी तथा 2,000 जी बी पी लेकर गया। वहां मौजूद रक्षित अग्रवाल नोट गिनने की मशीन लाने की बात कहकर केबिन से बाहर चला गया। इसी दौरान हर्षित अग्रवाल फ्रेन पर प्रार्थी को बातचीत में उलझाकर धोखाधड़ी करते हुए 18,000 यू एस डी व 2,000 जी बी पी (भारतीय मुद्रा लगभग 19,47,400/– रूपये) को लेकर फ्रार हो गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 103/2026 धारा 318(4), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पूर्व में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर तथा तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा प्रकरण में आरोपी प्रोसेनजित चक्रवर्ती पिता प्रणव चक्रवर्ती उम्र 38 साल निवासी 18 ओला बीबीतला लेन थाना चटर्जी हाट सिबपुर जिला हावडा पश्चिम बंगाल तथा मयंक शर्मा पिता प्रदीप शर्मा उम्र 24 साल निवासी ब्राम्हणों का मोहल्ला कोशली थाना रेवाड़ी जिला रेवाड़ी हरियाणा। हाल पता – मॉल एवेन्यू रोड अलाया अपार्टमेंट 304 थर्ड फ्लोर थाना हुसैन गंज लखनऊ (उ.प्र.) को गिरफ्तार कर कब्जे से नगदी रकम 4,50,000/– रूपये तथा घटना से संबंधित 02 नग मोबाईल फ्रेन जुमला कीमती 5,70,000/– रूपये जप्त कर कार्यवाही किया गया था।

एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण का फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

रायपुर – अपराध घटना के बाद से हुआ था फ्रार नागपुर में छिपा था आरोपी छत्तीसगढ एवं अन्य राज्यों के ड्रग तस्करों एवं नशा करने वालों को करता था सप्लाई थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 286/2025 धारा 21 (बी), 29 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध है। इस प्रकार है कि दिनांक 22.12.2025 को जरिए मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि वरन् अपार्टमेंट्स ब्लाक/बी, म.नं.–501 अमलीडीह न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में रहने वाले अमन शर्मा और शुभम सिग्नापुरे के द्वारा अपने साथियों के साथ अपने मकान के अंदर में अवैध रूप से ब्राउन शुगर रखकर बिक्री कर रहे हैं। की सूचना पर टीम तैयार कर आरोपी– (1) शुभम राव सिग्नापुरे पिता मनोज सिग्नापुरे उम्र 28 वर्ष पता– वरूण अपार्टमेंट ब्लाक बी, म.नं. 501 अमलीडीह रायपुर (2) अमन शर्मा पिता राजेश शर्मा उम्र 26 वर्ष पता– वरूण अपार्टमेंट ब्लाक बी, म.नं. 501

अमलीडीह थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर(3) शुभम धावड़े पिता राजू धावड़े उम्र 31 वर्ष पता– बरा् गंज कुम्हार भंडारा रोड थाना नंदनवन जिला नागपुर महाराष्ट्र(4) पराग बरछा पिता स्व. भावेश बारछा उम्र 23 वर्ष पता– कैलाशपुरी ब्यास स्कूल गली सोनी के घर थाना पुरानी बस्ती रायपुर (5) कुमारी पीहू सोनी पिता स्व. रवि सोनी उम्र 14 वर्ष पता– कंकारी पारा राम मंदिर गली थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर(6) मोह. माजिद खान पिता मोह. अहमद खान उम्र 28 वर्ष पता– उमरिया मंदिर हसौद थाना मंदिर हसौद रायपुर (7) नंदलाल ठाकुर पिता महेन्द्र ठाकुर उम्र 21 वर्ष पता– अंतरौवली थाना अरेड जिला मधुबनी (बिहार) के कब्जे से मादक पदार्थ ब्राउन शुगर 06 पैकेट जुमला मात्रा 11.560 ग्राम कीमती 83,000 रू., 04 नग मोबाईल कीमती 60000 रू. नगदी रकम 20,000 रू. जुमला रकम 1,63,000 रू. को जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया। प्रकरण में आरोपीगणों को दिनांक 25–12–2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। प्रकरण में आरोपी ड्रग तस्कर चंदन ठाकुर पिता भगवान सिंह ठाकुर एवं ञ्षभ फ्रार थे । घटना को श्रीमान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त राजेन्द्र नगर द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर एवं अधीनस्थ अधिकारी को फ्रार आरोपी के पतासाजी एवं गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया।

अंबिकापुर से दिल्ली एवं कोलकाता के लिए हवाई सेवा का शुभारंभ आज

रायपुर। उत्तर छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के लिए 30 मार्च 2026 का दिन ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। माँ महामाया एयरपोर्ट, दरिमा (अम्बिकापुर) से देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली एवं कोलकाता के लिए नियमित विमान सेवा शुरू होगी। इस पहल से क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने के साथ ही विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 30 मार्च को प्रात: 10 बजे रायपुर से वर्चुअल माध्यम से विमान सेवा का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर अंबिकापुर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें सांसद, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं आम नागरिकों उपस्थित रहेंगे। नई हवाई सेवा के अंतर्गत एलायंस एयर द्वारा 72–सीटर एटीआर विमान संचालित किया जाएगा। अंबिकापुर से दिल्ली के लिए फ्लाइट हफ्ते में दो दिन सोमवार और

बुधवार को चलेगी। सोमवार को फ्लाइट सुबह 7.50 बजे दिल्ली से उड़ान भरकर 10.25 बजे बिलासपुर पहुंचेगी, वहां से 10.50 बजे रवाना होकर 11.35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। इसके बाद यही फ्लाइट दोपहर 12.05 बजे अंबिकापुर से उड़ान भरकर 2.35 बजे दिल्ली पहुंचेगी। बुधवार को सुबह 7.50 बजे दिल्ली से सीधी फ्लाइट उड़कर 10.25 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी, फिर 10.50 बजे अंबिकापुर से निकलकर 11.35 बजे बिलासपुर पहुंचेगी और वहां से 12.00 बजे उड़कर 2.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी। अंबिकापुर से कोलकाता के लिए भी हफ्ते में दो दिन फ्लाइट चलेगी। शनिवार को सुबह 7.05 बजे कोलकाता से फ्लाइट उड़ान भरकर 8.55 बजे बिलासपुर पहुंचेगी, फिर 9.20 बजे वहां से रवाना होकर 10.00 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। इसके बाद 10.25 बजे अंबिकापुर से उड़कर 12.15 बजे कोलकाता पहुंच जाएगी। वहीं गुरुवार को सुबह 7.05 बजे कोलकाता से सीधी फ्लाइट उड़कर 8.50 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी, फिर 9.15 बजे अंबिकापुर से निकलकर 9.55 बजे बिलासपुर पहुंचेगी और वहां से 10.20 बजे उड़कर 12.05 बजे कोलकाता पहुंचेगी।

किसानों के लिए बड़ी सौगात, राम्हेपुर नहर लाइनिंग से 1540 एकड़ में पहुंचेगा पानी

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना का किया शुभारंभ

रायपुर। कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सी.सी. लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती–किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के

लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफस्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाएं– राज्यपाल श्री डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क-सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। राज्यपाल श्री डेका आज भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आंसदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, साक्षी सोनी शामिल है। इसी प्रकार समाज सेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार वायरल हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा।

असम के तैराकों ने राज्यपाल श्री डेका से की सौजन्य भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 प्रतियोगिता में भाग लेने आए असम राज्य के तैराक खिलाड़ियों ने आज यहां लोक भवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक जीतकर फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया है। राज्यपाल श्री डेका ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना से ही ऐसी सफलता हासिल होती है। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर खिलाड़ियों के साथ असम स्विमिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव श्री दिव्य ज्योति शर्मा, तकनीकी अधिकारी श्री जान मनी बोरा तथा कोच भी उपस्थित रहे।

जगदलपुर में सोमवार से शुरू होगा 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' का एथलेटिक्स रोमांच

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक धरोहर के केंद्र बस्तर में सोमवार से खेलों का एक नया इतिहास लिखा जाने वाला है। 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' के प्रथम संस्करण के तहत रायपुर में हुए भव्य उद्घाटन के बाद अब खेल प्रेमियों की नजरें जगदलपुर के धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर पर टिकी हैं, जहाँ 30 मार्च से एथलेटिक्स की रोमांचक स्पर्धाएं शुरू होने जा रही हैं। इस आयोजन का शुभंकर 'मोर वीर' जनजातीय युवाओं के अदम्य साहस और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुरू हुआ यह महाकुंभ अब अपने सबसे प्रतीक्षित चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 443 प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे।

बस्तर में आयोजित होने वाली एथलेटिक्स स्पर्धाओं में कुल 17 विधाएं शामिल हैं, जिनमें 100 मीटर की फर्राटा दौड़ से लेकर 10,000 मीटर की लंबी दूरी की रेस, हर्डल्स, रिले रेस, और ऊँची व लंबी कूद जैसी श्रेणियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पहले ही दिन डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप और 110 मीटर हर्डल्स जैसे फाइनल मुकाबले देखने को मिलेंगे। शाम होते-होते 400 मीटर और रिले रेस के रोमांच के बीच विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान किए जाएंगे। इस पूरे आयोजन के दौरान एथलेटिक्स में कुल 102 पदकों के लिए खिलाड़ी पसीना बहाएंगे, जिनमें छत्तीसगढ़ के 33 स्थानीय खिलाड़ी भी राज्य का मान बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

संपादकीय

समस्याएं दूर नहीं हुई

अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है। मगर निर्यात, ऋण, कर वसूली, बिजली उपभोग, बिक्री, एवं औद्योगिक उत्पादन संकेतक आदि से संबंधित आंकड़े इस रुझान की पुष्टि नहीं करते। अर्थशास्त्रियों के लिए इसे समझना रहस्य बना रहा है। हाल में जीडीपी के अपनाए गए नए आधार वर्ष और नई विधि के बावजूद यह रहस्य सुलझा नहीं है। अमेरिका स्थित पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनमिक्स (पीआईआईई) के एक ताजा शोध पत्र में इस रहस्य को समझने की कोशिश की गई है। भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं अब पीआईआईई से जुड़े अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम और दो अन्य अर्थशास्त्री इस शोध में शामिल हुए। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जीडीपी की नई सीरीज अपनाए जाने के बावजूद वे समस्याएं दूर नहीं हुई हैं, जिस कारण पुरानी सीरीज से अयथार्थ तस्वीर उभरती थी। इन अर्थशास्त्रियों की ये टिप्पणी महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों और जीडीपी के आंकड़ों के बीच संबंध जनवरी 2015 में टूटा, जब 2011-12 के आधार पर वर्ष पर नई सीरीज अपनाई गई थी। इसका एक प्रमुख कारण अनुचित डिफ्लेटर अपनाया जाना था। तब थोक मूल्य सूचकांक का सेवा क्षेत्र में भी डिफ्लेटर के रूप मे इस्तेमाल किया जाने लगा। इन अर्थशास्त्रियों का दावा है कि डब्लूपीआई सेवा क्षेत्र के मूल्यों को समाहित कर पाने में विफल रहता है। इन बिंदु पर इस बार भी सुधार हुआ नहीं दिखता। एक अन्य समस्या औपचारिक क्षेत्र के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र के प्रदर्शन का आकलन है। अनौपचारिक क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और कोविड लॉकडाउन से अधिक बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन वो हकीकत जीडीपी आंकड़ों में नहीं झलकी। पिछले दो दशक के आंकड़ों की गणना के आधार पर शोध पत्र में कहा गया है कि विसंगतियों के कारण संभवत: 2005 से 2011 तक असल जीडीपी का एक से डेढ़ प्रतिशत कम अंदाजा लगा, जबकि 2012 से 2023 तक इसे डेढ़ से दो प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया। अपेक्षा थी कि नई सीरीज से इसमें सुधार होगा। मगर पीआईआईई के शोध-पत्र ने इस संबंध में नए संदेह खड़े कर दिए हैं।

तारीफ तब ही होती है जब आदमी सफल होता है

सुनील दास

विश्व राजनीति हो या देश की अंदरूनी राजनीति हो,किसी नेता की तब ही तारीफ की जाती है जब जो काम हाथ में लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है।जो लक्ष्य तय किया उसे हासिल करके दिखाता है। जो कहा उसे करके दिखाता है। ऐसे नेता पर विश्व भी भरोसा करता है और देश भी भरोसा करता है। ऐसे नेता से ही यह उम्मीद की जाती है कि जो काम कोई और नेता नहीं कर पा रहा है, उसे यह नेता कर सकता है।उसके बारे में एक के बाद एक नेता कहते रहते हैं, उम्मीद जताते रहते हैं कि इस नेता को आगे आकर यह काम करना चाहिए। विश्व में इस समय ईरान,इजराइल व अमरीका के युध्द के कारण संकट में है। ऊर्जा सप्लाई बाधित होने से सभी देश कम ज्यादा प्रभावित हैं। ऐसे में विश्व के कई लोग कह चुके हैं कि पीएम मोदी ही यह युध्द रुकवा सकते हैं। उनको आगे आकर यह युध्द रुकवाने का प्रयास करना चाहिए। जब दुनिया के कई देश के नेता यह कहते हैं कि युध्द पीएम ही रुकवा सकते हैं तो यह देश के लोगों के लिए जहां गौरव की बात होती है वहीं कांग्रेस यह सुनकर जलभुन जाती है क्योंकि वह आज तक पीएम मोदी को असफल नेता मानती आई है और वह आए दिन हर मसले पर बयान देती रहती है कि पीएम मोदी इस मामले असफल है। पीएम मोदी विदेश नीति मामले में असफल हैं।वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान पर तो यकीन करती है कि भारत पाक युध्द मैंने रुकवा दिया और पीएम मोदी पर आरोप लगाती है कि पीएम मोदी ने ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया। लेकिन वही ट्रंप जब यह कहते हैं कि विश्व में पीएम मोदी और मैं ही ऐसे दो नेता हैं जो काम हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं।यह बात विश्व के और किसी नेता के बार में नहीं कही जा सकती। इस पर कांग्रेस यकीन नही करेगी, नहीं कहेगी की ट्रंप सच कह रहे हैं। कांग्रेस को ट्रंप तब सच कहते हुए लगते हैं जब उनके बयान के आधार पर पीएम मोदी को नीचा दिखाया जा सकता है,असफल बताया जा सकता हो।कांग्रेस तो ऐसे मौके की तलाश में रहती है जब वह पीएम को असफल बता सके। कंप्रोमाइस्ड नेता बता सके।हाल ही में कांग्रेस को ऐसा मौका फिर मिला जब अमरीका ने पाकिस्तान को ईरान से शांति वार्ता के लिए मैसेंजर की भूमिका सौंपी तो कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि प.एशिया में शांति बहाली के लिए आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम सामने आना भारत की कूटनीतिक विफलता है। इससे पाकिस्तान विश्व मंच पर प्रासंगिक बनता जा रहा है।मोदी सरकार की कूटनीति,वैश्विक संपर्क और नैरेटिव प्रबंधन की कमजोरियों के कारण एक अस्थिर देश को पाकिस्तान को ब्रोकर की भूमिका मिल गई है। इससे भारत की विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस भूल सकती है कि पाकिस्तान तो कठपुतली है, उससे जो कहा जाता है वह करता है। अभी अमरीका ने उससे कहा कि शांति की संदेश ईरान को देना है तो वह देने को तैयार हो गया। उसकी कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है इसलिए वह इंकार नहीं कर सकता।उसकी कोई हैसियत विश्व में नहीं है, इसलिए ईरान ने ही साफ कह दिया कि उसे पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है। कहां कांग्रेस मान रही थी कि विश्व में पाकिस्तान को महत्व मिल रहा है, कहां ईरान ने बात करने से ही मना कर दिया। इससे कांग्रेस की सोच पर देश के लोगों को हंसी आती है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी मोदी से नफरत से चलते देश को भी कई बार नीचा दिखाने से बाज नही आती है। वह पीएम मोदी को असफल बताने के लिए देश को असफल बताने लगती है।

वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत

आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है।

भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है। ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

नक्सलवाद का अंतिम अध्याय: 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल-मुक्त, अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत

डॉ प्रदीप कुमार वर्मा

महज 29 दिन बाकी हैं। 31 मार्च 2026 को भारत का वो काला अध्याय खत्म होने जा रहा है, जिसने पिछले पांच दशकों से देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों को खून से रंगा रखा था। लाल गलियारे का वो जाल, जो छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों के जंगलों में फैला हुआ था, अब टूटने की कगार पर है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरवरी 2025 में ही साफ़ तारीख दे दी थी - 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जायेगा। और अब, मार्च 2026 के पहले सप्ताह में, आंकड़े और घटनाएं बता रही हैं कि वो लक्ष्य हासिल होने वाला है। सन 2000 में लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म प्रभावित जिलों की संख्या 200 थी। सन 2014 में यह संख्या 126 थी। 2025 तक यह घटकर 38 रह गई। आज सिर्फ़ सात जिले बचे हैं - छत्तीसगढ़ के पांच, झारखंड और ओडिशा में एक-एक। इनमें भी सिर्फ़ तीन को सबसे अधिक प्रभावित' माना जा रहा है। हिंसा 70 प्रतिशत से ज्यादा घटी है। नागरिक और सुरक्षाबलों के शहीद होने की संख्या न के बराबर रह गई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2025 में ही 2337 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं - 2024 के 881 की तुलना में 165 प्रतिशत बढ़ोतरी। 317 नक्सली मारे गए। हजारों गिरफ्तार हुए।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि एक रणनीति की जीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ़ बहुआयामी लड़ाई लड़ी। सिर्फ़ गोली नहीं, विकास भी।केन्द्र शासित राज्यों में डबल इंजन' सरकार ने सड़कें, मोबाइल टावर, स्कूल, अस्पताल और रोजगार दिए। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा। नक्सलियों की भर्ती का सबसे बड़ा आधार - बेरोजगारी और पिछड़ापन - खत्म हुआ। झारखंड इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण है। एक समय यह राज्य नक्सलवाद का गढ़ था। 2014-19 में मुख्यमंत्री रघुबर दास के नेतृत्व में, जब केंद्र में भी मोदी सरकार थी, नक्सल समस्या में भारी कमी आई। सड़कों का जाल बिछा, पुलिस स्टेशन मजबूत हुए, स्थानीय युवाओं को नौकरियां मिलीं। आज झारखंड में नक्सली गतिविधियां न के बराबर हैं। डबल इंजन की ताकत यही है - सुरक्षा के साथ विकास। अमित शाह ने न सिर्फ़ सुरक्षा बलों को खुली छूट दी, बल्कि केंद्र-राज्य तालमेल को भी नया रूप दिया। उन्होंने बार-बार कहा - नक्सली या तो सरेंडर करो, वरना खत्म होने के लिए तैयार रहो। और सुरक्षा बलों ने ठीक वैसा ही किया। 2025 की कुछ बड़ी घटनाएं याद कीजिए: मई 2025 में छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में ऑपरेशन कागर' (या ब्लैक फॉरेस्ट) में माओइस्ट के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ़ बासवराजू समेत 27 नक्सली ढेर कर दिए गए। यह तीन दशकों का सबसे बड़ा झटका था। इसी वर्ष जनवरी 2026 में झारखंड के वेस्ट सिंहभूम जिले में ऑपरेशन मेगाबुरु' में 16 नक्सली मारे गए, जिनमें सेंट्रल कमिटी सदस्य आनंद उर्फ़ पटिराम मांझी (एनाल दा) शामिल था। उस पर 2.35 करोड़ का इनाम था।इसी वर्ष पिछले महीने फरवरी 2026 में तेलंगाना में टॉप कमांडर देवजी (थिप्पिरी तिरुपति) ने 20 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। देवजी 40 साल से जंगलों में था। इनके अलावा छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा में दर्जनों छोटे-बड़े एनकाउंटर हुए। स्नाइपर स्पेशलिस्ट, बैटालियन कमांडर, महिला कमांडर - सब एक-एक कर खत्म कर दिए गए या सरेंडर करने को मजबूर कर दिए गए। 2025 में अकेले छत्तीसगढ़ में ही 2100 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया, 1785 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई और 477 नक्सली ढेर कर दिए गए।

लेकिन सरकार सिर्फ़ नक्सलवाद खत्म करने पर नहीं अटकी। समस्या खत्म होने के बाद इसे दोबारा न उभरने देने का प्लान भी तैयार है। गृह मंत्रालय ने 31 लिगेसी थ्रस्ट डिस्ट्रिक्ट्स' चिन्हित किए हैं - जैसे महाराष्ट्र का गढ़चिरौली, मध्य प्रदेश का बालाघाट, तेलंगाना का भद्राद्री कोठागुडेम। ये वो इलाके हैं जहां नक्सलवाद कभी मजबूत था, लेकिन अब हिंसा लगभग खत्म हो चुकी है। इन्हें लिगेसी' कहा जाता है क्योंकि ये पुरानी प्रभाव वाली जगहें हैं, और थ्रस्ट' इसलिए क्योंकि यहां नक्सल विचारधारा दोबारा पनपने की आशंका बनी रह सकती है। इसलिए केंद्र की मोदी सरकार इन जिलों को सुरक्षा, विकास और सामाजिक योजनाओं में विशेष मदद दे रहा है। झारखंड में भी कई ऐसे जिले हैं, जैसे गुमला, खूंटी, सिमडेगा और चतरा, जहां पहले नक्सल प्रभाव था। इन जिलों में अब केन्द्र की मदद से विशेष विकास पहल चल रही हैं, जैसे 1947 के बाद पहली बार रेलवे कनेक्टिविटी लाई जा रही है। झारखंड के करीब 32.48 प्रतिशत क्षेत्र जंगल है, और गढ़वा, पलामू, लातेहार जैसे जिले पहले संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित थे। इन लिगेसी' इलाकों में अब विकास, सामाजिक योजनाएं और सुरक्षा को साथ-साथ मजबूत किया जा रहा है ताकि कोई भी छाया दोबारा न आए। क्योंकि नक्सल विचारधारा अभी पूरी तरह मरी नहीं है, सिर्फ़ हथियार डाल रही है।

नक्सलवाद की जड़ें 1967 के नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ी हैं। तब यह किसान विद्रोह' के रूप में शुरू हुआ, लेकिन जल्दी ही हिंसा, आतंक और विकास-विरोधी बन गया। हजारों निर्दोष आदिवासी, जवानों और अधिकारियों की जान गई। स्कूल जलाए गए, सड़कें रोकी गईं, खनिज संपदा लूटने की कोशिशें हुईं। मोदी सरकार ने इसे सबसे बड़ा आंतरिक सुरक्षा चुनौती' मानकर पूरी ताकत झोंक दी। आज जब 31 मार्च करीब है, तो पूरा देश गर्व से कह सकता है - लाल गलियारा अब हरा हो रहा है। जहां कभी बंदूक की गूंज थी, वहां अब विकास की आवाज़ है। सड़कें बन रही हैं, बच्चे स्कूल जा रहे हैं, युवा नौकरी पा रहे हैं। ये सब संभव हुआ है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से। उन्होंने न सिर्फ़ रणनीति बनाई, बल्कि उसे लागू भी करवाया। सुरक्षा बलों - ष्टक्रक्कस्न, क्कस्त्र, राज्य पुलिस, छ्रक्रत्र - को पूरा समर्थन दिया। सरेंडर पॉलिसी को आकर्षक बनाया। फंडिंग के स्रोत बंद किए। और सबसे बड़ा - राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई। 31 मार्च 2026 के बाद भारत नक्सल-मुक्त होगा। लेकिन लड़ाई पूरी नहीं होगी। विकास की लड़ाई जारी रहेगी। ताकि नक्सलवाद की कोई भी छाया दोबारा न आए।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

सौरभ वार्ष्णेय

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझौर देती है। अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कही से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।

अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है।

अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा।

इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।

आत्महत्या नहीं—जीवन का चयन करें- यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की। परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। कठिन समय में मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। जीवन अनमोल है, और हर समस्या का समाधान संभव है, बस जरूरत है सही दिशा और सहयोग की।आइए, म सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां कोई भी व्यक्ति अकेलेपन और निराशा के कारण अपनी जिंदगी खत्म करने का विचार न करे। जीवन चुनें, क्योंकि हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

आज के तेज़ रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक दबाव एक सामान्य वास्तविकता बन चुका है। पढ़ाई, नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं—इन सबके बीच व्यक्ति कई बार स्वयं को असहाय और अकेला महसूस करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोग आत्महत्या जैसे कठोर कदम के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि स्थायी पीड़ा का कारण है।आत्महत्या एक पल की निराशा का निर्णय होता है, जबकि जीवन अनगिनत संभावनाओं से भरा होता है। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, और हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। जो आज असहनीय लग रहा है, वह समय के साथ हल्का हो सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने गहरे संघर्षों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अंतत: सफलता हासिल की।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी है। लोग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे अंदर ही अंदर तनाव बढ़ता जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने आसपास के लोगों के प्रति संवेदनशील बनें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उन्हें सहारा दें। परिवार और मित्रों का साथ किसी भी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को संभाल सकता है।शिक्षा संस्थानों और कार्यस्थलों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। काउंसलिंग सेवाएं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और सकारात्मक वातावरण व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर बात कर सकें। यह याद रखना चाहिए कि जीवन अमूल्य है। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। निराशा के क्षणों में धैर्य रखना और सहायता मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है। यदि हम स्वयं या हमारे आसपास कोई व्यक्ति कठिन दौर से गुजर रहा है, तो उसे यह विश्वास दिलाना हमारी जिम्मेदारी है कि वह अकेला नहीं है। आत्महत्या नहीं, जीवन चुनें—क्योंकि हर जीवन महत्वपूर्ण है और हर समस्या का समाधान संभव है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

नए घर में कदम रखते ही करें ये 5 काम

हर व्यक्ति की चाहत होती है कि उसका नया आशियाना न केवल सुंदर हो, बल्कि वहां कदम रखते ही जीवन में सौभाग्य और समृद्धि का संचार हो। अक्सर हम घर की सजावट पर तो लाखों खर्च कर देते हैं, लेकिन गृह प्रवेश के समय उन सूक्ष्म वास्तु नियमों को भूल जाते हैं जो घर की आर्थिक स्थिति और परिवार की खुशहाली तय करते हैं। वास्तु विज्ञान के अनुसार, नए घर की ऊर्जा को सक्रिय करने के लिए शुरुआती कुछ कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण माने गए हैं। नए घर में प्रवेश करते समय कौन सा पैर पहले रखना चाहिए? या रसोई में सबसे पहले क्या बनाना शुभ होता है? इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं वे 5 अचूक वास्तु उपाय, जिन्हें अपनाकर आप अपने नए घर से नकारात्मकता को कोसों दूर रख सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके घर में धन-धान्य के भंडार हमेशा भरे रहें। तो आइए जानते हैं नए घर में प्रवेश के वे स्वर्णिम नियम जो आपके जीवन को खुशियों से सराबोर कर देंगे।

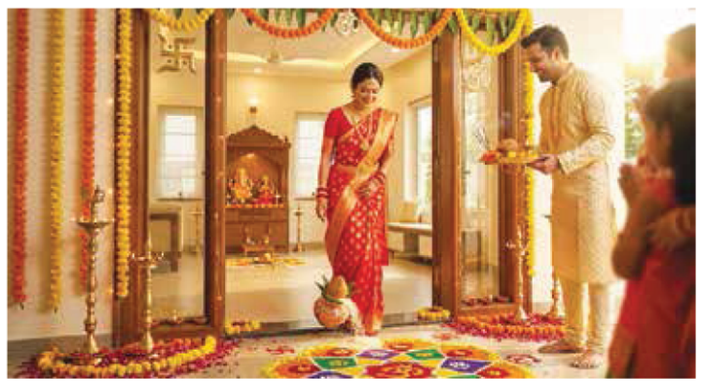

मंगल कलश की स्थापना

नए घर में खाली हाथ कभी न जाएं। एक तांबे के कलश में शुद्ध जल भरकर, उसमें कुमकुम से स्वास्तिक बनाएं। कलश के मुख पर अशोक या आम के पांच पते रखें और ऊपर नारियल रखें। इस मंगल कलश को लेकर घर में प्रवेश करने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और लक्ष्मी जी का वास होता है।

शंख और घंटे की ध्वनि

घर के कोने-कोने में सकारात्मकता पहुंचाने के लिए गृह प्रवेश के बाद शंख जरूर बजाएं। शंख और घंटी की आवाज से घर की सोइ हुई ऊर्जा जागृत होती है और वास्तु दोष दूर होते हैं। इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार पर हल्दी और कुमकुम से स्वास्तिक बनाना न भूलें।

शुभ मुहूर्त और 'दाहिने पैर' का प्रवेश

हिंदू धर्म और वास्तु में मुहूर्त का बड़ा महत्व है। हमेशा विद्वान ब्राह्मण से पूछकर ही गृह प्रवेश करें। घर में प्रवेश करते समय ध्यान रखें कि पुरुष और महिला दोनों अपना दाहिना पैर पहले अंदर रखें। यह कदम आपके जीवन में नई सफलताओं और शुभता का मार्ग प्रशस्त करता है।

नमक के पानी का पोंछा

वास्तु के अनुसार, निर्माण के समय घर में कई तरह की नकारात्मक ऊर्जाएं जमा हो जाती हैं। नए घर में प्रवेश के पहले दिन पूरे घर में नमक मिले हुए पानी से पोंछा जरूर लगाएं। नमक नकारात्मकता को सोख लेता है और वातावरण को शुद्ध बनाता है।

रसोई में पहली बार 'दूध' उबालना

रसोई घर का सबसे पवित्र हिस्सा माना जाता है। नए घर की रसोई में सबसे पहले गैस चूल्हे पर दूध उबालना चाहिए। दूध का उबलकर बर्तन से बाहर गिरना बेहद शुभ माना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि आपके घर में सुख और वैभव की कभी कमी नहीं होगी। इसके बाद उसी दूध से बनी खीर का भोग भगवान को लगाएं।

नाखून बता सकते हैं सेहत का राज

हाथ और नाखून न सिर्फ हमारी पर्सनैलिटी और मैनर्स का प्रतीक हैं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के बारे में भी कई अहम बातें बताते हैं।अक्सर लोग नाखूनों को सिर्फ सुंदरता के लिए देखते हैं, लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि नाखून शरीर की अंदरूनी स्थिति के संकेत देने वाले छोटे मेसेंजर होते हैं। नाखून लगभग 3 मिलीमीटर प्रति माह की धीमी दर से बढ़ते हैं। इस धीमी वृद्धि के कारण, नाखून समय के साथ शरीर में हो रहे सूक्ष्म बदलावों को रिकॉर्ड करते हैं। अगर नाखूनों का रंग, आकार, मोटाई या बनावट बदलती है, तो यह कभी-कभी किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी हो सकता है।

आयरन की कमी से लेकर फेफड़ों की बीमारी तक देते हैं ये संकेत

1) आयरन की कमी का संकेत - आयरन शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है। जब आयरन की कमी होती है, तो शरीर एनर्जी बचाने लगता है। नाखून जो केराटिन से बने होते हैं और अच्छे ब्लड फ्लो पर निर्भर करते हैं, वे सबसे पहले इस कमी का संकेत दिखाते हैं। आयरन की कमी के कारण नाखून पीले रंग के हो सकते हैं, पतले या कमजोर हो सकते हैं, कभी-कभी अंदर की ओर मुड़कर चम्मच जैसा आकार ले सकते हैं। आयरन की कमी पूरी करने से नाखून धीरे-धीरे सामान्य आकार और मजबूती में लौट आते हैं।

2) फेफड़ों और संक्रमण से जुड़े संकेत - नाखून का पीला और मोटा होना अक्सर फंगल संक्रमण की ओर इशारा करता है। अगर पीले नाखून लंबे समय तक रहते हैं और सांस लेने में समस्या या सूजन भी हो, तो यह येलो नेल सिंड्रोम जैसी दुर्लभ स्थिति की ओर संकेत कर सकता है। येलो नेल सिंड्रोम फेफड़ों की पुरानी समस्याओं जैसे ब्रोंकिएक्टेसिस या प्लूरल रोग से जुड़ा हो सकता है। हर पीला नाखून फेफड़ों की बीमारी का संकेत है, लेकिन लगातार बदलाव होने पर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

नाखूनों पर ध्यान क्यों जरूरी है?

स्किन विशेषज्ञ बताते हैं कि नाखूनों में होने वाले बदलावों को नजरअंदाज करना सही नहीं है। उनके अनुसार, नाखूनों का रंग, बनावट और आकार कई बार शरीर की गंभीर बीमारियों के संकेत दे सकते हैं। जैसे पीले या चम्मच जैसे नाखून आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का संकेत हो सकते हैं, पीले और मोटे नाखून फंगल संक्रमण या फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं की ओर इशारा कर सकते हैं। नाखूनों पर गहरे धब्बे या रंग बदलना कुछ मामलों में यह स्किन कैंसर जैसे गंभीर रोग का संकेत भी हो सकता है। नाखूनों में बदलाव पोषण की कमी, हार्ट डिजीज, फेफड़ों की बीमारियां और मेटाबॉलिक से जुड़ी स्थितियों को दर्शा सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद कारगर है कपूर

पूजा-पाठ में इस्तेमाल किया जाने वाला कपूर सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं रखता, बल्कि इसके औषधीय और घरेलू फायदे भी बेहद खास हैं। आमतौर पर माना जाता है कि कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, लेकिन आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में भी कपूर का इस्तेमाल सेहत, त्वचा और घर के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए किया जाता रहा है। सही तरीके से इस्तेमाल करने पर कपूर कई समस्याओं से राहत दिला सकता है। आइए जानते हैं कि पूजा के अलावा कपूर को और किन-किन तरीकों से उपयोग में लाया जा सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

कपूर में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं में मददगार होते हैं। खुजली, खाज या हल्की एलर्जी में राहत। दाग-धब्बों को हल्का करने में सहायक।

कैसे करें इस्तेमाल

थोड़ी सी कपूर की टिक्की को नारियल तेल में मिलाकर प्रभावित जगह पर लगाएं। चेहरे के लिए कपूर को चंदन पाउडर में मिलाकर हल्का लेप बनाएं और 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। ध्यान रखें कि कपूर को ज्यादा मात्रा में या लंबे समय तक त्वचा पर न लगाएं।

बैक्टीरिया और नेगेटिव एनर्जी दूर करे

शाम के समय घर में कपूर जलाने से न सिर्फ वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि हवा में मौजूद बैक्टीरिया भी कम होते हैं।

तरीका : कपूर के साथ थोड़ा सा देसी घी, लौंग, दालचीनी और सूखी धूप जलाकर घर में धुआं दिखाएं। इससे घर में अच्छी खुशबू फैलती है और मन को शांति मिलती है। यह केवल धार्मिक रिच्युअल नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक एयर प्यूरीफायर की तरह काम करता है।

रसोई की कैबिनेट

अलमारी, स्टोर रूम

कैसे इस्तेमाल करें

एक सूती कपड़े में कपूर की टिक्की बांधकर इन जगहों पर रख दें। इससे कॉकरोच, चींटियां और छोटे कीड़े दूर रहते हैं।

कीड़े-मकोड़ों से करे बचाव

कपूर की तेज खुशबू कीड़े-मकोड़ों को बिल्कुल पसंद नहीं होती।

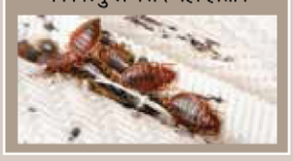

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता रखने का है। खर्चों पर नियंत्रण रखकर भविष्य के लिए बचत की योजना बना सकते हैं। वरिष्ठों से बातचीत में मधुरता रखें। योग और व्यायाम से स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के मार्ग खुलेंगे।

वृषभ राशि - आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके काम से अधिकारी प्रसन्न होंगे। व्यवसाय में बदलाव से पहले सलाह लें। संपत्ति के मामलों में सावधानी जरूरी है। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। निवेश सोच-समझकर करें। परिवार का साथ मिलेगा, संतुलन बनाए रखें।

मिथुन राशि - आज दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी। पार्ट टाइम काम की योजना सफल हो सकती है। नौकरी में बदलाव या ट्रांसफर के योग हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि - आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आ सकते हैं। आईटी और बैंकिंग क्षेत्र में लाभ के योग हैं। करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पारिवारिक विवादों से बचें।

सिंह राशि - आज आर्थिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आय में वृद्धि के योग हैं। रिश्तों में समझदारी रखें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि - आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। साझेदारी के कामों में सतर्क रहें। कार्यक्षेत्र में निर्णय सोच-समझकर लें। जोखिम भरे निवेश से बचें। जीवनसाथी के साथ तालमेल रखें।

तुला राशि-आज का दिन मिश्रित रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। व्यापार में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। काम का दबाव बढ़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे, बजट संभालें। रिश्तों में धैर्य रखें।

वृश्चिक राशि – आज का दिन मिलाजुला रहेगा। बिना मांगे सलाह देने से बचें। नौकरी में सहयोग मिलेगा। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आय स्थिर रहेगी। परिवार से शुभ समाचार मिल सकता है।

धनु राशि- आज धन से जुड़े मामलों में लाभ होगा। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के योग हैं। प्रमोशन या सफलता मिल सकती है। धन लाभ और उधार वापसी के योग हैं। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

मकर राशि - आज नौकरी में बदलाव के अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा का योग है। नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। निवेश के लिए दिन अच्छा है। परिवार के साथ समय बिताएं।

कुंभ राशि- आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। व्यवसाय में रुकावटें आ सकती हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा। निर्णय लेने की क्षमता से लाभ मिलेगा। धन मामलों में सतर्क रहें। रिश्तों में समझदारी रखें।

मीन राशि- आज का दिन लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना होगी। परिवार में खुशियां रहेंगी। तरक्की और नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रिश्तों में सुधार होगा।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

सोने से पहले पैरों को भी खास देखभाल

दिनभर की भागदौड़ के बाद हमारे पैरों को भी खास देखभाल की जरूरत होती है, क्योंकि पूरे शरीर का भार सबसे ज्यादा वही संभालते हैं। जब स्किन केयर की बात आती है तब अक्सर हम अपने पैरों को भूल जाते हैं। इससे फटी एड़ियां की परेशानी हो सकती है। ऐसे में रात के समय कुछ मिनट निकालकर की गई फुट केयर रुटीन न सिर्फ पैरों की थकान दूर करती है, बल्कि उन्हें मुलायम और साफ बनाए रखने में भी मदद करती है।

रात में आप एक टब में गर्म पानी को लें। इसमें आप अपने पैर को डुबोकर रखें। ऐसा करने से आपके मसल्स को आराम मिलेगा और शरीर के दर्द से भी आपको राहत मिलेगी। आप गर्म पानी में सेंधा नमक भी डाल सकते हैं। इससे आपके शरीर को और भी आराम मिलेगा। सोने से पहले पैरों पर मसाज भी करें। जिससे आपका ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और दर्द से भी राहत मिलेगी। मसाज करने के लिए आप अपने हाथों में एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल लें। इसे अपनी हथेली में अच्छे से रगड़ें। अब आप उंगलियों से ऊपर से नीचे के तरफ मसाज करें। हाथ की उंगलियों को आप टो के बीच में फंसा दें और घुमा लें। इसके बाद आप पैरों कि एड़ी को भी पकड़कर घुमा लें। पैर के तलवों को बीच में कुछ देर तक दबाएं। अब पैर के अंगूठे से ऊपर से नीचे की तरफ मालिश करें। मालिश करने से आपके पैरों को आराम मिलेगा। तेल की वजह से आपकी स्किन भी सॉफ्ट हो जाएगी और फटी एड़ियां की प्रॉब्लम भी नहीं होगी।

सही कलर सिलेक्शन है जरूरी

यह कोई नई बात तो नहीं है कि सही कलर सिलेक्शन की मदद से आप घर को क्लासी और ट्रेंडी लुक दे सकते हैं। रंग किसी भी जगह के माहौल को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुछ क्लासिक जैसे ऑफ पेस्टल, सफेद या बेज का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा कॉमन कलर्स को छोड़कर ऑलिव ग्रीन, डार्क ब्राउन, नेवी ब्लू या तो मेरून जैसे ट्रेंडी कलर के भी पेंट करवा सकते हैं।

लिविंग रूम में करें ये सिंपल से बदलाव

लिविंग रूम आपके घर में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली जगह है। यह जितना कंफर्टेबल और स्टाइलिश दिखेगा, उतना ही घर सुंदर और खूबसूरत लगेगा। आखिर कौन नहीं चाहता कि अपना घर पूरी सोसाइटी में सबसे क्लासिक दिखे, चाहे वह अपने बच्चों के साथ खेलने के लिए हो या हर दूसरे हफ्ते अपने दोस्तों के साथ एक कप कॉफी पीने के लिए। दरअसल, लिविंग रूम हमारी कई जरूरतों को पूरा करता है। इन सभी जरूरतों को पूरा करते हुए, अक्सर लिविंग रूम बोरिंग लगने लगता है। डेकोरेशन को लेकर हर साल कुछ ना कुछ नए ट्रेंड आते रहते हैं। ऐसे में घर की डेकोरेशन में अगर कुछ खास बातों का ख्याल रखा जाए तो आप छोटे से छोटे कमरे को भी स्टाइलिश और खूबसूरत बना सकते हैं।

दीवार पर आईना लगाएं

अगर बात करें रूम की सजावट की तो शीशे बहुत काम के होते हैं, इससे कमरा बड़ा दिखता है और दीवारें भी सुंदर लगती हैं। वही बात करें सही दिशा की तो अगर दरवाजे के पास एक बड़ा शीशा लगाएं तो उससे रोशनी पूरे कमरे में फैलती है और इसे रूम बड़ा लगता है।

मल्टीपर्पज फर्नीचर का इस्तेमाल करें

भारी-भरकम फर्नीचर खरीदने के बजाय ऐसे फर्नीचर चुनें जो एक साथ दो काम कर सकें, जैसे आप स्टोरेज वाला सोफा ले सकते हैं, जिसके अंदर सामान रखा जा सके। इसके अलावा किताबों की अलमारी वाली टेबल ले सकते हैं, साथ ही पुरानी और एंटीक चीजें हमेशा से ही घर की डेकोरेशन में चार चांद लगाते हैं। इससे आपके कमरे को एक विटेंज लुक मिलेगा

घर में पौधे लगाएं

अक्सर लोग पौधों के गमले को बाहर रखते हैं, लेकिन आप घर के अंदर पौधों की अहमियत को कम न समझें। लिविंग रूम के अंदर कुछ पौधे लगाने से पूरे कमरे का माहौल तुरंत बदल जाता है। कुछ पौधे जैसे स्नेक प्लांट, रबर प्लांट, सकुलेंट्स या एरिका पाम जैसे कई ऐसे पौधे हैं, जिनकी देखभाल करना भी बहुत आसान होता है।

हल्के कपड़ों का चुनाव करें

लिविंग रूम को सजाते वक्त कालीन या पर्दों का चयन करते समय ध्यान रखे कि भारी कपड़े के बजाय हल्के और हवादार कपड़ों को चुनें। पूरे कमरे में लंबे पर्दे लगाएं, इससे कमरे में ताजी हवा और रोशनी बनी रहेगी और जगह खुली-खुली लगेगी।

खाने का स्वाद बढ़ाएगी लहसुन-इमली की चटनी

खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए चटनी एक बेहतरीन विकल्प होती है। खासकर लहसुन और इमली से बनी स्पाइसी चटनी खाने में खट्टा-मीठा और तीखा स्वाद जोड़ देती है। यह चटनी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि इसे घर पर बहुत ही कम समय में आसानी से बनाया जा सकता है। भुना हुआ लहसुन, इमली का गूदा, मिर्च और गुड़ से तैयार यह चटनी स्नैक्स, पराठे या दाल-चावल के साथ भी बेहद स्वादिष्ट लगती है।

सामग्री

:- भुना हुआ लहसुन – 30 ग्राम,सूखी लाल मिर्च – 4,हरी मिर्च – 1 चम्मच (कटी हुई), अदरक – 1 चम्मच, इमली का गूदा – 60 मिलीलीटर,नींबू का रस – 1 चम्मच,गुड़ – 1 बड़ा चम्मच,नमक – 1/8 चम्मच,पानी – 50 मिलीलीटर।

बनाने की विधि :- सबसे पहले एक ओखली-मूसल में 30 ग्राम भुना हुआ लहसुन, 4 सूखी लाल मिर्च, 1 चम्मच हरी मिर्च और 1 चम्मच अदरक डालें। इन्हें अच्छी तरह कूटकर दरदरा पीस लें। अब इस मिश्रण को एक बाउल में निकाल लें और इसमें 60 मिलीलीटर इमली का गूदा, 1 चम्मच नींबू का रस, 1 बड़ा चम्मच गुड़ और 1/8 चम्मच नमक डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह फेंटकर मिला लें। इसके बाद इसमें 50 मिलीलीटर पानी डालें और फिर से अच्छी तरह मिलाएं। आपकी स्वादिष्ट स्पाइसी लहसुन-इमली की चटनी तैयार है। इसे स्नैक्स या खाने के साथ सर्व करें।

गर्मियों में बढ़ रहीं स्किन समस्याएं

जैसे ही गर्मियों की शुरुआत होती है, तापमान के साथ-साथ त्वचा से जुड़ी समस्याएं भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। इन दिनों अस्पतालों और स्किन क्लीनिक्स में घमौरियां, मुंहासे, सनबर्न और फंगल इंफेक्शन के मरीजों की संख्या में लगातार देखा जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेज धूप, बढ़ती उमस और अत्यधिक पसीना इन समस्याओं के पीछे मुख्य कारण हैं। दरअसल, हमारी त्वचा बाहरी वातावरण के प्रति बेहद संवेदनशील होती है। मौसम में अचानक बदलाव इसकी प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है। गर्मियों में पसीना और धूल-मिट्टी मिलकर त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

पसीना और बंद पोर्स बनते हैं घमौरियों की वजह

डॉक्टरों के अनुसार, गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा पसीना निकलता है। जब यह पसीना डेड स्किन और गंदगी के कारण बाहर नहीं निकल पाता, तो त्वचा के नीचे जमा होकर घमौरियों का रूप ले लेता है। इससे खुजली, जलन और छोटे लाल दाने होने लगते हैं।

तेजी से फैलता है फंगल इंफेक्शन

उमस भरे मौसम में शरीर के वे हिस्से जहां पसीना ज्यादा आता है। जैसे बगल, गर्दन और जांघों के बीच वहां नमी बनी रहती है। यही नमी फंगस को बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल देती है, जिससे खुजली, लाल चकत्ते और जलन जैसी समस्याएं होती हैं।

तेज धूप से होता है सनबर्न

गर्मियों में सूरज की अल्ट्रावॉयलेट किरणें बेहद खतरनाक होती हैं। बिना सुरक्षा के लंबे समय तक धूप में रहने से त्वचा की ऊपरी परत झुलस जाती है, जिसे सनबर्न कहा जाता है।

भांचा श्रीराम हमारे आराध्य,आस्था का प्रतीक-भूपेश बघेल

पूर्व मुयमंत्री भूपेश बघेल पाटन के रामनवमी महोत्सव में शामिल हुए!

पाटन (समय दर्शन)। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर पाटन नगर में श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य एवं विशाल शोभायात्रा में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए।इस दौरान उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ प्रभु श्रीराम के दर्शन किए एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि,शांति और खुशहाली की मंगलकामना की।शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन,युवा, मातृशक्ति एवं नगरवासी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। नगर में जय सियाराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर भूपेश बघेल ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान

श्रीराम का जीवन हमें सत्य,धर्म और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनका आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे और समाज में प्रेम,भाईचारा एवं सद्भाव कायम रहे।चलित झांकी महाकाल अधौरी ग्रुप बाजार चौक खोपली और कल्याणी धूमाल ग्रुप केसरा के द्वारा डीजे डांस,आतिशबाजी का शानदार प्रस्तुति दर्शकों का मन मोह लिया।इस मौके पर मुख्यरूप से राकेश ठाकुर जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी दुर्ग,पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा,जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी,विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू,पुरुषोत्तम कश्यप, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साहू,राजेश ठाकुर,हेमंत देवांगन,तरूण बिजौर,जनपद सदस्य दिनेश साहू,लक्ष्मीनारायण पटेल,बलदाऊ भाले,आभाष शर्मा,सरजू साहू,गोपाल देवांगन,नीरज सोनी, भेदप्रकाश वर्मा,महेंद्र वर्मा आदि उपस्थित थे।

खबर-खास

आंबेडकर सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, प्रवीण कुटरे और पुष्पा वाघमारे ने ली जिम्मेदारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भरकापारा वार्ड क्रमांक 27 स्थित आंबेडकर सेवा समिति का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार रात सांस्कृतिक भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नव-निर्वाचित अध्यक्ष प्रवीण कुटरे और संघमित्रा महिला मंडल की अध्यक्ष पुष्पा वाघमारे ने पद की शपथ ली।

समिति का त्रिवर्षीय कार्यकाल मार्च 2026 में पूर्ण होने के बाद नए कार्यकाल के लिए 17 और 18 मार्च को नामांकन प्रक्रिया हुई थी। इसके बाद 19 मार्च को बौद्ध समाज द्वारा सर्वसम्मति से दोनों अध्यक्षों का चयन किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में नगर निगम के विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग के चेयरमैन राजेश जैन रानू और पार्षद प्रतिनिधि राहुल सोनिपेर मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सामूहिक बुद्ध वंदना से की गई। मंच संचालन चंद्रशेखर वासनिक ने किया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नव-निर्वाचित अध्यक्षों ने समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान अतिथियों ने उन्हें बधाई देते हुए आंबेडकर भवन में चल रहे मरम्मत कार्य को जल्द पूरा कराने का आश्वासन भी दिया।समारोह में बौद्ध समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिनमें रमेश कुमार रामटेके सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

मिथलेश करुणा शील बौद्ध विहार के नए अध्यक्ष चुने गए

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बसंतपुर वार्ड क्रमांक 46 स्थित करुणा शील बौद्ध विहार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विहार की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठजन, बुद्ध अनुयायी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से मिथलेश मेश्राम को करुणा शील बौद्ध विहार का अध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार अभिषेक मेश्राम को उपाध्यक्ष तथा अश्वनी (पिंटू) वासनिक को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों द्वारा स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। नव-निर्वाचित अध्यक्ष मिथलेश मेश्राम ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे विहार के विकास, बौद्ध संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा भी जताई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विहार परिसर में नियमित रूप से धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे समाज में जागरूकता और एकता को बल मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नवगठित कार्यकारिणी को सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दीं तथा विहार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गायत्री प्रज्ञा पीठ, भनसुली में चैत्र नवरात्रि पर्व धूमधाम से सम्पन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। गायत्री प्रज्ञा पीठ, भनसुली में चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के साथ बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया। नवरात्रि के नौ दिनों तक प्रात:काल एवं संध्या काल में ध्यान-साधना, मंत्र-जाप, पूजन-पाठ व गायत्री विधान विधिवत् संपन्न हुए। रामनवमी के पावन अवसर पर गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामवासियों—माताओं-बहनों, बुजुर्गों एवं युवा साथियों—ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आहुतियाँ अर्पित कीं। सामूहिक प्रार्थना में समस्त ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं कल्याण की मंगल कामना की गई।

आयोजन में स्वच्छता, शांति और पर्यावरण-संवेदनशील आचरण पर विशेष ध्यान रखा गया। गायत्री परिवार के प्रतिनिधियों ने कहा कि नवरात्रि आत्मशुद्धि, संकल्प और सेवा का पर्व है; नियमित साधना एवं सद्विचारों से व्यक्ति, परिवार और समाज—तीनों का उत्थान होता है। उपस्थित जनों ने आगे भी ऐसे आध्यात्मिक-सामाजिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें निर्माण कार्य : कुणाल दुदावत

कोरब। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिला खनिज न्यास अंतर्गत स्वीकृत स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़े भवन निर्माण तथा अन्य अधोसंरचना के कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए।

मन की बात हमें जोड़ती है, प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प दिलाती है - रंजना साहू

धमतरी (समय दर्शन)। मन की बात का 132 वां संस्करण आज प्रसारित हुआ,देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और विदेश के नागरिकों से अपने विचार साझा किए,इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक रंजना साहू ने धमतरी के स्वामी विवेकानंद वार्ड में मन की बात के कार्यक्रम का श्रवण किया,श्रीमती साहू ने प्रेस नोट जारी करते हुए कहा मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे प्रेरणादायक कार्यों, ऐतिहासिक उपलब्धियों और आम नागरिकों की असाधारण कहानियों से जुड़ने का माध्यम है।

प्रधानमंत्री जी के शब्दों से हमें अपने राष्ट्र की संस्कृति, परंपरा, नवाचार और जनभागीदारी की ताकत का एहसास होता है। हर बार यह कार्यक्रम सुनकर गर्व होता है कि हम ऐसे महान और प्रगतिशील भारत के नागरिक हैं। मन की बात हमें जोड़ती है, प्रेरित करती है और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प दिलाती है। प्रधानमंत्री जी ने आजनके संवाद में बताया की कैसे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का देश के कोने कोने में लाभ नागरिक ले रहे हैं,जिस क्षेत्र में युद्ध चल रहा है वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है,यह चुनौती पूर्ण समय है,जो इसमें राजनीति कर रहे हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए,एक पेड़ माँ के नाम ली मुहिम ने बताया की जब किसी कार्य को लेकर जनभागीदारी होती है तो वो मुहिम अपार सफ्लता प्राप्त करती है उसका उदाहरण है की पर्यावरण संरक्षण की भावना आज देश के नागरिकों के मन में बस गई है,प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण को लेकर जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और यह समय जल संरक्षण के संकल्प को दोहराने का है। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 'जल संचय अभियान' ने देशभर में लोगों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया है।

क्रेशर के डम्फर वाहन की ठोकर से युवक गंभीर रूप से घायल

बसना (समय दर्शन)। बसना से नौगड़ी एवं पिरदा-भंवरपुर मार्ग में मौत का कुआं कहे जाने वाले खदान में लगे क्रेसर से निकलने वाले अनेकों जानलेवा डम्फर आए दिन रोड में कोहराम मचा रहे हैं। ये ओव्हर लोडेड डम्फर आस पास के सभी रोड को खराब तो कर ही रहे हैं,इनके चालक रात तो रात है ,दिन में भी किसी अन्य छोटी वाहनो को साईड नहीं देते।

बीते शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बेटे की शादी का कार्ड बांटने निकले मोटर साइकिल सवार पिता को तेज रफ्तार डम्पर ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में उसका दाहिना पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और अत्यधिक रक्तस्त्राव के चलते उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जिसे भंवरपुर के एक निजी अस्पताल में भरती कर इलाज किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बसना विकासखंड अंतर्गत

ग्राम अजगरखार निवासी डोरीलाल निषाद पिता स्व. संत राम निषाद अपने पुत्र गिरधर निषाद की आगामी 10 अप्रैल से शुरू होने वाली शादी की तैयारियों में जुटा था।

इसी सिलसिले में वह शनिवार शाम करीब 5:30 बजे मोटर साइकिल से शादी का कार्ड बांटने निकला था। बताया जा रहा है कि वह पिरदा-भंवरपुर मार्ग पर पड़कीपाली गांव ही पहुंचा था, तभी एक तेज रफ्तार डंपर ने उसे सामने से जबरदस्त टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि डोरीलाल सड़क पर दूर जा गिरा,, और उसका दाहिना पैर प्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद मौके पर खून ही खून फैल गया।

यहां तक कि उसका सफेद पैंट पूरी तरह खून से लाल हो गया और सड़क भी खून से रंग गया।

घटना पड़कीपाली स्थित एक चॉइस सेंटर के सामने हुई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। निजी एंबुलेंस से उसे तुरंत भंवरपुर स्थित श्याम अस्पताल पहुंचाया गया।

तेज रफ्तार डंपरों से आए दिन होती है दुर्घटना

स्थानीय लोगों ने बताया कि,बसना नौगड़ी मार्ग, पिरदा-भंवरपुर मार्ग पर गिट्टी क्रेशर संचालित होने के कारण दिन-रात बड़ी संख्या में डंपरों की आवाजाही लगी रहती है। अधिकांश डंपर चालक तेज गति और लापरवाही पूर्वक से वाहन चलाते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण और सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। परिजनों का कहना है कि यदि इलाज में अधिक - खर्च होता है, तो शादी की तैयारियों पर सीधा - असर पड़ सकता है। आर्थिक दबाव के चलते - शादी की तिथि, आयोजन और व्यवस्थाओं में - बदलाव की नौबत भी आ सकती है।

बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को दिया 'अंत्योदय' का मंत्र,राष्ट्र सेवा में समर्पित रहने का आह्वान

छुईपाली मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 संपन्न, विधायक डॉ संपत अग्रवाल हुए मुय रूप से शामिल

बसना (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और कार्यकर्ताओं के कौशल विकास हेतु 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' के अंतर्गत छुईपाली मंडल में विशेष प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बसना विधानसभा के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल द्वारा भारत माता, जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर पूरा परिसर देशभक्ति और वैचारिक ऊर्जा से ओत-प्रोत नजर आया।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की शक्ति और कार्यकुशलता पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण और उनके कौशल में निहित होती है। विधायक डॉ. अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य केवल सूचनाएं साझा करना नहीं, बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता को वैचारिक रूप से इतना सशक्त बनाना है कि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एक अनुशासित सिपाही की तरह कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के संकल्पों को आत्मसात करना ही हमारे जीवन का ध्येय होना चाहिए।

आगे अपने उद्बोधन में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जिसका अंतिम लक्ष्य राष्ट्र का सर्वांगीण विकास है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास करें और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुँचाने के लिए एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करें। उनके अनुसार, राष्ट्र सेवा के प्रति निरंतर समर्पित रहना और अंत्योदय के आदर्शों पर चलना ही संगठन की परंपरा है, जिससे न केवल दल मजबूत होगा बल्कि देश का भविष्य भी उज्जवल बनेगा।विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि हमारा मार्ग सेवा का मार्ग है। हमें राजनीति को माध्यम बनाकर समाज के वंचित वर्गों के जीवन में उजाला लाना है। यही पंडित दीनदयाल जी को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस महाअभियान के माध्यम से मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यप्रणाली, वैचारिक पृष्ठभूमि और वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के गुर सिखाए गए।

पुरवाही साहित्य समिति की मासिक काव्य गोष्ठी जरहामहका में सम्पन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा की मासिक काव्य गोष्ठी विगत दिनों जरहामहका में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र परिचर्चा का रहा, जिसमें पुरवाही के दस वर्ष : एक अवलोकन वषय पर विस्तार से चर्चा हुई, जबकि दूसरे सत्र में काव्य पाठ प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ छन्दकार रामकुमार चंद्रवंशी रहे, वहीं अध्यक्षता वरिष्ठ कवि लखनलाल साहू लहर ने की। विशिष्ट वक्ता के रूप में अरविंद कुमार लाल, दिनेश कुरेटी दिलेर उपस्थित रहे। आधार वक्तव्य पुरवाही के संयोजक ओमप्रकाश साहू अंकुर ने प्रस्तुत किया।

वक्ताओं ने पुरवाही साहित्य समिति की स्थापना से लेकर दस वर्षों में हुए कार्यक्रमों, कवि सम्मेलनों और साहित्यिक गतिविधियों पर सार्थक चर्चा की। रामकुमार चंद्रवंशी ने लेखकों को लेखन में मानवीय भूलों को समय रहते सुधारने और समाज को दिशा देने का सुझाव दिया। लखनलाल साहू लहर ने कहा कि किसी भी संस्था का विकास उसके सक्रिय सदस्यों पर निर्भर करता है। अरविंद कुमार लाल ने समिति गठन में शामिल कवियों की मनोरंजक यादें साझा की, जबकि दिनेश कुरेटी दिलेर ने प्रारंभिक कवि सम्मेलनों की स्मृति ताजा की।

आधार वक्तव्य में ओमप्रकाश साहू अंकुर ने संस्थापक अध्यक्ष शिवप्रसाद लहरे के मार्गदर्शन में समिति की दस साल की यात्रा और विभिन्न वार्षिक उत्सवों व कार्यक्रमों की जानकारी दी। गोष्ठी के दौरान यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मई माह में पुरवाही साहित्य समिति का वार्षिक उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर वनांचल साहित्य समिति के जितेन्द्र पटेल और संस्थापक अध्यक्ष शिवप्रसाद लहरे को पुरवाही साहित्य सम्मान-2026 प्रदान किया जाएगा।

काव्य पाठ सत्र में उपस्थित कवियों और साहित्यकारों ने बासंतिक छटाओं के बीच गीत और कविता प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में अरविंद कुमार लाल, रामकुमार चंद्रवंशी, लखनलाल साहू लहर, दिनेश कुरेटी दिलेर, ओमप्रकाश साहू अंकुर, नंदकुमार साहू नादान, ग्वालाप्रसाद यादव नटखट सहित अन्य गणमान्य साहित्यकार उपस्थित रहे। स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग और ग्रामीण जनप्रतिनिधि जैसे मन्नू लाल कंवर सरपंच, सीताराम साहू, राजेन्द्र गोस्वामी आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्वालाप्रसाद यादव और हेमलाल सहारे ने किया।

जिले में कांग्रेस का बढ़ता जनाधार:लगातार हो रहे कांग्रेस प्रवेश

जिला अध्यक्ष और पूर्व पंचायत मंत्री के नेतृत्व में कांग्रेस को मिल रही बड़ी सफ्लता,भाजपा कार्यकर्ता थाम रहे कांग्रेस का दामन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की राजनीति में इन दिनों बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा और पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ला के मजबूत नेतृत्व में पार्टी को लगातार सफ्लता मिल रही है,वहीं बीजेपी का संगठन अंदर ही अंदर कमजोर होता नजर आ रहा है।बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थाम रहे हैं,जिससे सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। जिले में कांग्रेस संगठन लगातार विस्तार की ओर बढ़ रहा है।जिला अध्यक्ष और पूर्व पंचायत मंत्री के सक्रिय नेतृत्व और जमीनी पकड़ के चलते पार्टी में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के प्रयासों का असर अब साफदिखाई देने लगा है।

बीते दिनों देवभोग क्षेत्रों से बीजेपी के कई कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने कांग्रेस में प्रवेश किया।कांग्रेस नेताओं ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी की नीतियों और जनहित के कार्यों से प्रभावित होकर लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं।उनका कहना है कि वर्तमान समय में जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस ही उस भरोसे पर खरी उतर रही है।इसी तरह रविवार को राजिम

बूथ गठन का बैठक संपन्न हुआ जिसमें राजिम मंडल अध्यक्ष गोविंद कहार को नियुक्त किया गया।वही इस बैठक के दौरान संजय साहू,अमन कछार जितेन्द्र साहू,भारत धीवर,रूपेश साहू,हेमेंद्र साहू राहुल पटेल,पूनम पटेल,हुलेश साहू महेंद साहू संजू सोनम,ठाकुर राम ने बीजेपी से नाता तोड़कर कांग्रेस प्रवेश किए। पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ला ने इस मौके पर कहा कि कांग्रेस हमेशा से आम जनता की आवाज रही है और आगे भी जनता के हक और अधिकार के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जनता के मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है,जिससे लोग निराश होकर कांग्रेस की ओर रुख कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने भी कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार बैठकें, जनसंपर्क अभियान और बूथ स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि आज हर वर्ग के लोग कांग्रेस से जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं।

लगातार हो रहे दलबदल से जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।यही स्थिति बनी रही,तो आने वाले चुनावों में कांग्रेस को इसका बड़ा फायदा मिलेगा,जबकि बीजेपी के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है।कुल मिलाकर जिले में कांग्रेस का बढ़ता जनाधार और भाजपा से हो रहा लगातार पलायन यह संकेत दे रहा है कि आने वाले समय में राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।इस बैठक में पवन सोनकर,प्रहलाद गंधर्व,सुनील तिवारी कमलेश साहू,लालचंद मेघवानी,देकेश्वर ठाकुर मुन्ना सोनकर,के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दो पाटो के बीच में साबूत बचे न कोई

बिलासपुर (समय दर्शन)। यह दो पाट व्यवसायिक स्कूल और कोचिंग है भ्रमित करने के लिए इसका नाम कभी मंदिर तो कभी गुरुकुल भी कर दिया जाता है। कोचिंग के नाम तो ब्रह्मास्त्र तक रख लिया गया है और यह ब्रह्मास्त्र पालक के गृहस्थ नामक विमान को इस तरह मार करता है कि जीवन और उसकी उम्मीदें लहू लोहान हो जाती है। किसी भी दंपति का पहला सपना शिक्षा प्राप्ति के बाद यही होता है कि उनका बच्चा बेहतर से बेहतर संस्थान में शिक्षित हो और यही से शुरू होता है दोहन का सिलसिला... शहर में नर्सरी, किंडर गार्डन, नोनीहाल और जाने किन-किन नाम से कक्षा एक के पहले की दुकानें संचालित हैं। यह दुकान कॉलोनी क्षेत्र में पूर्व के एचआईवी मकान में आमतौर पर खुली देखी जा सकती है। 2 घंटे अधिकतम की फीस प्रति माह 3 से 4000 है और प्रवेश के वक्त अन्य शुल्क अलग से साल भर हर महीने माता-पिता को पता ही नहीं चलता कि इतने दिन विशेष एक शैक्षणिक कैलेंडर में हो सकते हैं। जिनके नाम पर आयोजन रखकर जेब काटी जा सकती है।

अधिकतर बड़े नाम की रानी स्कूल ने अपने केजी स्वरूप आउटलेट पूरे बिलासपुर में फैला रखा है। कुछ स्कूल के बड़े स्कूल से एडमिशन की मौखिक एमओयू की बात भी सुनाई देती है। यदि आप अपनी ही कॉलोनी में सुबह 8:00 से 8:30 के बीच एक चक्कर कटे तो इन केजी संस्थाओं की कहानी अपने आप समझ आएगी।

नोट:- शिक्षा क्षेत्र के व्यापक निम्न स्तरीय, बाजारी कारण के बीच हम कुछ ऐसे स्कूलों का विवरण भी देंगे जहां पर साधारण फीस में बेहतर शिक्षा दी जा रही है। तो ऐसे पलक जिन्हें अपने शिशु को उचित फीस पर शिक्षा दिलानी हो वे हमारी जानकारी का उपयोग करें। और शिक्षा के घोर व्यावसायीकरण को रोकने में सहयोग करें।

खबर-खास

दीवार निर्माण विवाद में मारपीट, इलाज के दौरान मौत; आरोपी को 5 साल की सजा

पाटन (समय दर्शन)। रानीतराई थाना क्षेत्र के ग्राम खपरी में दीवार निर्माण को लेकर हुए विवाद में मारपीट की घटना ने गंभीर रूप ले लिया, जिसमें घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक फक्कीरा राम शुक्ला गौठान के पास दीवार निर्माण कार्य कर रहा था। इसी दौरान आरोपी भगत राम पटेल के साथ उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने फक्कीरा राम के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे वह गिट्टी के ऊपर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद रानीतराई थाना में शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर पुलिस ने अपराध कायम कर मामले की जांच शुरू की। घायल फक्कीरा राम को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मामले की सुनवाई के दौरान आरोप प्रमाणित पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने आरोपी भगत राम पटेल को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

प्रकरण में शासन की ओर से लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने प्रभावी पैरवी की।

राजनांदगांव जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित, सभी वर्गो को दिया गया स्थान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष विपिन यादव द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। यह कार्यकारिणी संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान द्वारा जारी बयान में विपिन यादव ने कहा कि यह कार्यकारिणी संगठन की रीढ़ साबित होगी और सभी पदाधिकारी मिलकर जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने बताया कि सूची को अंतिम रूप देने से पहले वर्तमान एवं पूर्व विधायकों तथा वरिष्ठ कांग्रेसजनों से व्यापक रायशुमारी की गई, जिसमें सभी वर्गों एवं महिलाओं को उचित स्थान दिया गया है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि कल संध्या 5 बजे छुरिया में सभी नवनियुक्त पदाधिकारी भेंट-मुलाकात करेंगे, जहां संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की जाएगी।

नवगठित जिला कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष रमेश डाकलिया, बलिराम साहू, गोविंद टंडन, धीरज मेश्राम, रज्जू जान, मन्ना यादव, होम दत्त वर्मा, श्रीमती रमादेवी वर्मा, जितेंद्र सिंह भाटिया, केशव यादव, लालचंद साहू, दुर्गेश द्विवेदी को शामिल किया गया है। वहीं महामंत्री राहुल तिवारी, पंकज बांधव, महेंद्र यादव, कमलजीत पिंटू, रितेश जैन, चुम्मन साहू, रवि साहू, हेमंत वैष्णव, तुकज साहू, राजकुमार सिन्हा, ललित कोमरे, राजू सिंह राजपूत, हनी ग्रेवाल, इंद्रपाल सिंह राजा, शिशुपाल भारती, पूरन नेताम, चंद्रेश वर्मा, विजय राज सिंह चौहान को शामिल किया गया है।

वहीं सचिव के रूप में श्रीमती सुलोचना मारकंडे, सुरेश सिन्हा, रतन यादव, अब्दुल खान, गणेश साहू, संजीव गोमास्ता, श्रीमती सीमा यादव, श्रीमती संध्या साहू, श्रीमती राजकुमारी सिन्हा, ओम प्रकाश साहू, जावेद मेमन, जगजीत भाटिया (बिट्टू), राजकुमार साहू, संजय मुटकुरे, प्रदीप पटेल, कन्हैया काले, जयपाल यादव, विष्णु लोधी, अमीन उके, मतीन खान को शामिल गया है।वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अशोक फड्नवीस, हेमू सोनी, दबीज खान, श्रीमती प्रभा साहू, केदार यादव, मदन लाल मांडवी, प्रहलाद मिश्रा, ताराचंद खुरसाम, उत्तम सिन्हा, राहुल यादव को शामिल किया गया है।

तेज रफ्तार वाहन ने फिर नगर में एक को ठोक हुआ फरार, हालत नाजुक

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर कि सड़के इन दिनों यमराज कि सवारी बनते जा रही है।शहर सहित आस पास नेशनल हाइवे मे लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। उस पर जिला अस्पताल पर तैनात 108 की सेवाएं भी लोगों को नहीं मिल पा रही है बीते दिनों सड़क किनारे पी डब्लू डी कार्यालय के सामने वाहन खड़ा कर वाहन से उतरते ही एनीस आरना वार्ड नंबर 6 निवासी को तेज रफ्तार वाहन ने ठोक दिया व फरार हो गया। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति के नाक मुंह व सिर से खून लगातार खून बह रहा था जिसको देखकर लोगों ने आपातकालीन सेवाओं का हर दरवाजा खटखटाया पर निराशा हाथ लगी।वंही जिला अस्पताल मे आपातकालीन मरीज को रायपुर ले जाने के लिए न तो कोई एम्बुलेंस थी नहीं 108 उपलब्ध थी।दुर्घटना के बाद 108 का पता लगाने पर वह वीआईपी ड्यूटी पर रायपुर गई हुई थी वहीं सड़क पर पड़े दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति को नगर के लोगों ने अपनी बाइक पर उठा कर अस्पताल पहुंचाया स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रारंभिक उपचार के बाद रायपुर प्राइवेट एंबुलेंस में रिफर किया गया।प्रत्यक्षदर्शीयो ने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क पर गुजर रहे राहगीरों ने 108 से लेकर 112 तक सभी नंबरों को फोन लगाते रहे किन्तु किसी ने भी फोन नहीं उठाया तो स्वयं ही लोगो ने अपने बाइक पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया जंहा मरीज कि हालत नाजुक बनी हुई है।

अस्पताल से जानकारी निकलने पर पता चला कि दिन मे दो दुर्घटनाएं आसपास के सड़कों में वाहन की चपेट में आने से हो रही हैं.सड़कों पर बड़े वाहन तेज रफ्तार से चलने के कारण दुर्घटनाएं बड़ी है। वहीं वार्ड नंबर 6 के पार्षद छगन यादव ने जिला अस्पताल में एंबुलेंस की कमी को लेकर कहा कि इतने बड़े जिले में जिला अस्पताल में आपातकालीन मरीजों के लिए एंबुलेंस तक उपलब्ध नहीं है लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है आपातकालीन मरीजो की जान जोखिम में है नगर वासियों की जान जा रही है और जनप्रतिनिधि अपने में मस्त है।वहीं प्रशासन के सारे दावे भी खोखले नजर आ रहे हैं बीते दिनों जिला प्रशासन की बैठक में नगर में तेज रफ्तार वाहनों पर पाबंदी को लेकर पुलिस अधीक्षक के सामने इन वाहनों पर रोक लगाने की बात की गई थी किंतु कुछ ही दिनों में फिर हालात जैसे की तैसी हो चली है।जिससे नगर वासियों की जान खतरे में है।

फिरोज अंसारी ने खेल मंत्री संग खिलाड़ियों को किया सम्मानित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नई दिल्ली में हॉकी जगत का प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया अवार्ड्स का आयोजन किया गया। हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मनसुख मांडविय के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समारोह में भारतीय पुरुष एवं महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये के नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फिरोज अंसारी, जो हॉकी इंडिया के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष हैं, ने खेल मंत्री के साथ मंच साझा किया और खिलाड़ियों को सम्मानित किया।कार्यक्रम में भारत के महान हॉकी खिलाड़ी अजित पाल सिंग की गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उनके हाथों अजीत पाल सिंह मिडफील्डर अवार्ड भारतीय हॉकी टीम के स्टार खिलाड़ी सुमित कुमार को प्रदान किया गया। साथ ही अन्य पुरस्कारों में मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार महान हॉकी खिलाड़ी जफर इकबाल को डिफेंडर ऑफ द ईयर संजय राणा को, अपकमिंग प्लेयर ऑफद ईयर साक्षी राणा (महिला), प्रिंस दीप सिंह (पुरुष) प्लेयर ऑफ द ईयर नवनीत कौर (महिला), हार्दिक सिह (पुरुष) को प्रदाय किए गए।

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाएं- राज्यपाल डेका

छीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन प्रादेशिक पत्रकार समेलन और समान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

दुर्ग(समय दर्शन)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क-सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। राज्यपाल श्री डेका आज भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आंसदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया, पत्रकारों की भूमिका की सराहना की और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, साक्षी सोनी शामिल है। इसी प्रकार समाजसेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार वायरल हो जाते हैं।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा। एक स्वस्थ पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने इस चौथे स्तंभ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाने का आह्वान किया।

श्रीकृष्ण के गीता उपदेश जीवन की सार्थकता के लिए जरूरी- विष्णु अरोड़ा

रानीतराई (समय दर्शन)। केसरा में श्रीमद् भागवत महापुराण के अंतिम दिवस अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक परम पूज्य बाल योगी श्री विष्णु अरोड़ा जी के मुखाग्रह से भागवत महापुराण गीता पाठ,हवन एवं पूर्णाहुति से संपन्न हुआ।बालयोगी श्री अरोड़ा जी ने गीता जीवन का सार बतलाते हुए हमें सभी का सम्मान के साथ अधर्म का विरोध भी करना चाहिए।

जीवन में माताओं का स्थान सर्वोच्च होता है,मां ही संस्कारों की प्रथम गुरु होती है।जिस परिवार में मातृशक्ति का सम्मान होता है,सदैव सुख,शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को पुन: अपने संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने की आवश्यकता है। इसमें माताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कथाचार्य ने श्रीमद् भागवत के माध्यम से बताया कि भक्ति,सेवा और संस्कार ही जीवन को सफल बनाते हैं। उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि वे जीवन में धर्म, सत्य और सदाचार को अपनाएं तथा माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करें।

व्यास पीठ का आशीर्वाद लेने पूर्व मुख्यमंत्री के सुपुत्र चैतन्य बघेल,पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा,पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक साहू,जनपद सदस्य दिनेश साहू,ब्लॉक अध्यक्ष राजेश ठाकुर,मंडल अध्यक्ष सोहन जोशी,सरपंच डॉ.ईश्वर निषाद,तेजराम सिन्हा,गजानंद सिन्हा,संतु सिन्हा,डॉ पवन निर्मलकर,नरेश सिन्हा,हरिनाथ सिन्हा,कमलेश पटेल,लक्की सिन्हा,इंद्रेश्वर सिन्हा,सागर सिन्हा,चंद्रशेखर सिन्हा,राजू सिन्हा,खेमलाल सिन्हा,एम एल सेन,नारद सेन,राजाराम सिन्हा,संतोष सिन्हा,मदन यादव,पुनारद सिन्हा,अशोक पटेल सहित भागवत प्रेमी एवं समस्त ग्रामवासी केसरा उपस्थित थे।

उप निरीक्षक और शोरूम संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले के ग्राम बोंदा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर एक पुलिस उप निरीक्षक और दो निजी व्यक्तियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि उसे झूठे मामले में फंसाकर प्रताड़ित किया गया है, जिसके खिलाफउसने अब कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।

ग्राम बोंदा (थाना सरिया) निवासी दिनेश चौहान पिता घुराऊ चौहान ने अपने आवेदन में बताया कि पुलिस उप निरीक्षक अंजान सिंह कुंवर, शोरूम संचालक पूजा अग्रवाल और उनके पति राजीव अग्रवाल ने मिलीभगत कर उनके खिलाफ साजिश रची। पीड़ित के अनुसार, उसे अपराध क्रमांक 83/2023 में गलत तरीके से फंसाया गया था। ?दिनेश चौहान ने आवेदन में निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डाला है ?झूठा प्रकरण: 23 मई 2023 को किसी अज्ञात व्यक्ति के नाम पर दर्ज एफआईआर में बाद में जबरन दिनेश का नाम जोड़ा गया और 26 मई 2023 को उसकी गिरफ्तारी की गई।?दबाव और शोषण: पीड़ित का आरोप है कि गिरफ्तारी के दौरान उससे जबरदस्ती झूठे मेमो पर हस्ताक्षर कराए गए। उन्होंने उप निरीक्षक पर अपने पद का दुरुपयोग कर शोरूम संचालकों को बचाने का आरोप लगाया है।?पीड़ित ने दावा किया कि 17 जनवरी 2026 को माननीय न्यायालय द्वारा इस मामले में निर्णय पारित किया गया है, जिसके बाद उन्होंने अब दोषियों पर कार्रवाई हेतु शिकायत की है।मानहानि और आर्थिक क्षति: इस पूरी प्रक्रिया से पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, स्वतंत्रता और आजीविका को भारी नुकसान पहुँचा है।

प्रमुख माँगों में पीड़ित ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है:तत्काल एफआईआर और गिरफ्तारी: आरोपियों के विरुद्ध धारा 248, 356, 257 और 61(2) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए।उच्च स्तरीय जांच: पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए।पुलिस सुरक्षा: पीड़ित और उसके परिवार को जान-माल का खतरा बताते हुए उचित सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।कानूनी चेतावनी: आवेदन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे बीएनएसएस 173(4) के तहत उच्च अधिकारियों और न्यायालय की शरण लेंगे।

वर्तमान स्थिति यह आवेदन 23 मार्च 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्राप्त कर लिया गया है। क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चा तेज है कि एक पुलिस अधिकारी पर लगे इन गंभीर आरोपों पर विभाग क्या रुख अपनाता है।

नगरी से अभिषेक जैन, आर. पी. साहू, तुलसी राम साहू को मिला भाजपा विधि प्रकोष्ठ मे दायित्व नगरी

धमतरी (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा विधि प्रकोष्ठ मे नगरी के उर्जावान कार्यकर्ता अधिवक्ता अभिषेक जैन, एवं अधिवक्ता आर. पी. साहू को प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं अधिवक्ता तुलसीराम साहू जिला सह संयोजक का दायित्व मिलने पर अधिवक्ता गणो द्वारा शीर्ष नेतृत्व को आभार मानते हुये अपने अपने दायित्व को निर्वहन किया जावेगा. उनके नियुक्त पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, पूर्व विधायकगण श्रवण मरकाम,पिंकी शाह वरिष्ठ नेता रविशंकर दुबे, नागेद्र शुक्ला, विकल गुप्ता, मोहन नाहटा, कमल डागा, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, अजय ध्रुव, गरिमा नेताम, जनपद अध्यक्ष महेश गोटा, उपाध्यक्ष हृदय साहू, जनपद सदस्य प्रेम लता नागवंशी, शशि ध्रुव, मंडल अध्यक्ष एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बलवीर छाबड़ा, उपाध्यक्ष विकास बोहरा, महेंद्र नेताम, डॉ गोकुल देवागन, मोतीलाल दिवाकर, रूपेंद्र साहू, दिनेश्वरी नेताम, प्रतिमा देवागन ने बधाई दी।

// नाम परिवर्तन //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मेघा पिता वीरेन्द्र चंद्राकर आयु 26 वर्ष, निवासी ग्राम चिरपोटी पोस्ट मतवारि,वार्ड 3 म.न. 22 दुर्ग, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) यह शपथ करती हूं कि मेरा पुराना नाम मेघा पिता वीरेन्द्र चंद्राकर को त्याग कर नया नाम मेघा चंद्राकर पति गुलशन चंद्राकर रख ली हूं।

अत: आज से मेरे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नये नाम मेघा चंद्राकर पति गुलशन चंद्राकर से ही जाना पहचाना जावे।

मेघा चंद्राकर
ग्राम-चिरपोटी,
पोस्ट- मतवारि
वार्ड 3, म.न. 22, जिला व तह. दुर्ग (छ. ग) 491221

कार्यालय नगर पंचायत बसना जिला- महासमुन्द (छ.ग.)

Email Id - npbasna@m.com PHONE - 09724247952

क्रमांक/1612/न.प./लो.नि.वि./ निविदा सूचना 2025-26 बसना, दिनांक 27/03/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पंचायत बसना क्षेत्रान्तर्गत वर्ष 2026-27 में निकाय क्षेत्रान्तर्गत मरम्मत संधारण/पार्षद मद अंतर्गत निर्माण कार्य, विभिन्न कार्य हेतु जे.सी.बी. मशीन किराया एवं मोटर पंप मरम्मत कार्य तथा वाहन मरम्मत कार्य हेतु ठेकेदार/जे.सी.बी. मशीन मालिक तथा सप्लायर/मोटर पम्प एवं वाहन मरम्मत हेतु मरम्मतकर्ता हेतु ठेकेदार/फर्म से त्रि-लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक के माध्यम से निर्माण कार्य हेतु मेनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 27.03.2026 अपरान्ह 5.00 बजे
परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र विक्रय करने की अंतिम तिथि- 17.04.2026 सांय 3.00 बजे तक
निकाय को निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि एवं समय- 23.04.2026 अपरान्ह 3.00 बजे
निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय- 23.04.2026 सायं 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	निकाय क्षेत्रान्तर्गत रोड एवं नाली मरम्मत संधारण / पार्षद मद अंतर्गत वार्षिक मरम्मत तथा निर्माण कार्य	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष
2	निकाय क्षेत्रान्तर्गत भवन मरम्मत तथा अन्य निर्माण कार्य	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष
3	निकाय क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न कार्य हेतु जे.सी.बी. किराया	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष
4	पेयजल विभाग हेतु मोटर पम्प मरम्मत कार्य	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष
5	वाहन मरम्मत कार्य	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष
6	विभिन्न कार्यक्रमों हेतु टेंट माईक किराया	9.50	9500.00	570.00	01 वर्ष

टीप- विस्तृत नियम एवं शर्तें कार्यालयीन समय पर एवं शासन की वेबसाईट http://www.uad.cg.gov.in/ में अवलोकन की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बसना

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दूरभाष 0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 20.03.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 09.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र. / सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
377/187551	जिला बालोद के ठेकवाडीह से बोहारडीह मार्ग लं. 1.30 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य	140.25
378/187552	नवागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य	30.00
379/187553	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का साधारण मरम्मत कार्य	29.86
380/187554	जिला सेनानी नगर सेना बेमेतरा में प्रशासनिक भवन एवं स्टोर रूम का निर्माण कार्य	69.71
381/187555	बेमेतरा में बाल संप्रेक्षण गृह का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	131.12
382/187559	परफॉरमेंस गारंटी के तहत राजनांदगांव कवर्धा पोंडी मार्ग कि.मी. 46/2 से 62 तक कुल लं.16.60 कि.मी. में क्षतिग्रस्त भाग का सुधार कार्य (संधारण अवधि के अंतर्गत एजेन्सी के दायित्व पर मार्ग का संधारण कार्य)	25.00

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

G-252607416 / 3

नवा बिहान जन जागरूकता अभियान तहत सुरक्षित जागरूक समाज के लिए महासमुंद पुलिस की पहल

पिथौरा (समय दर्शन)। साइबर सुरक्षा- ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 डायल करें। आपकी सतर्कता ही आपका बचाव है।

चाइल्ड लाइन नंबर 1098, डायल 112, महिला एवं बच्चों से संबंधित कानून के संबंध में दी गई जानकारी ।नशा मुक्ति- नशे को कहें ना खुशहाल जीवन को कहें हाँ

यातायात सुरक्षा आपकी सुरक्षा, संकल्प हमारा । नेक इंसान सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करें। शासन द्वारा मददगार को ?25,000 की प्रोत्साहन राशि पायें।

जिला पुलिस द्वारा पिथौरा थाना के समक्ष स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने साइबर अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा और नशा मुक्ति पर विस्तृत जानकारी साझा की।

पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट की धमकी, सेक्सटॉर्शन और फेक ट्रेडिंग ऐप के माध्यम से होने वाली ठगी के प्रति सचेत किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करना जोखिम भरा हो सकता है।

युवाओं को साइबर स्टॉकिंग की रिपोर्ट करने और मजबूत पासवर्ड बनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। किसी भी ऑनलाइन ठगी की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करने की सलाह दी गई। साथ ही यातायात सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई ।बढ़ते नवीनतम साइबर क्राईम के बारे में बताया गया कि, सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर सुरक्षा एवं प्राईवेसी को ध्यान में रखते हुये सावधानी पूर्वक सोशल मीडिया में व्यवहार करें। सोशल मीडिया में अनजान लोगो को रियल लाईफमें सत्यापन किये बिना उनका फ्रेंडशीप रिक्वेस्ट एक्सेप्ट ना करने, सोशल मीडिया में सायबर बुलिंग, सायबर स्टाकिंग, फेक प्रोफाईल के संबंध में तत्काल रिपोर्ट करें, सोशल मीडिया में पोस्ट थर्ड पार्टी एप्स, लिंक अंजान से न जुड़ने, सोशल मीडिया में पर्सनल व सेंसिटीव जानकारी ना शेयर करने मजबूत पासवर्ड बनाने, लोगों को गुमराह करने से संबंधित फारवर्डेड मैसेज या पोस्ट को बिना सत्यता के सोशल मीडिया में ना शेयर करने, व्हाट्सएप, टिवीटर, फेसबुक, इन्सटाग्राम, टेलीग्राम आदि में प्राईवेसी सेटिंग, टू-स्टेप वेरिफिक्रेशन ऑन करने हेतु, शेयर बाजार में निवेश के नाम पर फेक ट्रेडिंग एप के नाम पर ठगी, सेक्सटार्शन, फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर ठगी करने एवं एपीके फाईल लिंक को ओपन ना करने आदि अपराधों के बारे में रोकथाम हेतु जागरूक कर सायबर हेल्प लाईन नंबर 1930 में ऑनलाईन शिकायत दर्ज करने के अलावा अपने निकटतम पुलिस थाना या सायबर थाना जाकर रिपोर्ट करने हेतु कहा गया।

किसी भी अनजान नम्बरों से आए वीडियो कॉल अटेंड ना करें, यदि किसी परिचित के द्वारा फोन पर पैसे की मांग की जाती है तो स्वयं उस परिचित को दुबारा फोन लगाकर फोन नंबर की तस्दिक करें, किसी अनजान लिंक पर कभी भी क्लिक न करें,कोई भी अनजान व्यक्ति फोन करके यदि यह कहे कि आपके नाम से स्ट्रक हो गया है आपको जेल जाने से बचने के लिए आपको पैसा देना पड़ेगा, तो किसी भी प्रकार से कोई फोन पे, गूगल-पे के माध्यम से पैसा ना भेजें, कोई पुलिस ऑफिसर, सीबीआई या जज, बैंक ऑफिसर या अन्य कोई अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करे तो डरें नहीं, किसी भी तरह के ऐसे ऑफर जिसमें पैसा दुगुना करने का लालच दिया जाता है उन पर विश्वास ना करें, आदि के बारे में बताया गया।

भगवान जगन्नाथ की झांकी,शोभा यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम,मातृ शक्ति का सम्मान होगा

जगदलपुर (समय दर्शन)। उत्कल समाज द्वारा आगामी एक अप्रैल को उत्कल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में शुक्रवार को रामनवमी उत्सव पर पंचपथ चौक स्थित भैरम मंदिर में सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव शामिल होकर पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि की कामना की । विधायक किरण देव ने उत्कल समाज के पदाधिकारियों एवं समाज के सदस्यों से भेंट मुलाकात कर आगामी कार्यक्रम के संबंध में चर्चा किया।

उत्कल समाज द्वारा इस वर्ष उत्कल दिवस पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आगामी 31 अप्रैल को संध्या 5 बजे भव्य शोभायात्रा समाज भवन से निकाली जा रही है। इस वर्ष शोभायात्रा में ओडिशा से आये कलाकारों द्वारा शोभायात्रा में आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही भगवान जगन्नाथ जी की झांकी के साथ पुरी मंदिर की झांकी निकाली जायेगी। जिसके लिए उत्कल युवा प्रकोष्ठ के युवाओं द्वारा तैयारी किया जा रहा है। वहीं एक अप्रैल को उत्कल दिवस पर समाज भवन में संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा समाज के मातृशक्ति का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त-खबर

पाटन में धूमधाम से मनाई गई राम नवमी, निकाली गई भव्य झांकी

पाटन (समय दर्शन)। श्री राम जी की सेना पाटन विधानसभा के तत्वाधान में राम नवमी का 12वां वर्ष बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला ।कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी वितरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्तों ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। राम नवमी के पावन अवसर पर चलित झांकी भी निकाली गई, जिसने पूरे पाटन नगर का भ्रमण किया। झांकी में भगवान श्री राम से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी ।सफल आयोजन के लिए श्री राम जी की सेना ने सभी राम भक्तों, सहयोगियों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

रेत परिवहन करने वाले हाइवा के कारण सड़क पर चलना दूभर

पाटन (समय दर्शन)। दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग पर प्रतिदिन सुबह एक चिंताजनक स्थिति देखने को मिल रही है, जहां बिना तिरपाल ढके और ओवरलोड रेत से भरे डंपर बेखौफ दौड़ते नजर आते हैं। इन वाहनों से उड़ती रेत राहगीरों, विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए गंभीर परेशानी और हादसे का कारण बन रही है ।तेज रफ्तार में चल रहे इन डंपरों से उड़कर रेत सीधे पीछे आ रहे बाइक सवारों की आंखों में चली जाती है, जिससे उनका संतुलन बिगड़ने का खतरा लगातार बना रहता है। कई बार ऐसी स्थिति दुर्घटना को आमंत्रण देती नजर आती है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह समस्या अब रोजमर्रा की बन चुकी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कभी-कभार खानापूर्ति के तौर पर कुछ वाहनों पर कार्रवाई जरूर होती है, लेकिन इसके बाद रेत परिवहन करने वाले फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं और लोगों की जान जोखिम में डालते रहते हैं ।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लापरवाह वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए और रेत परिवहन के दौरान तिरपाल ढकना अनिवार्य किया जाए, ताकि सड़क पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आज

दुर्ग (समय दर्शन)। समाज कल्याण विभाग जिला दुर्ग द्वारा एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजनांतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के सहयोग से दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 18 फरवरी 2026 को भिलाई-03, 19 फरवरी 2026 को नगर पालिक निगम सुपेला भिलाई तथा 20 फरवरी 2026 को जिला पंचायत परिसर दुर्ग में आयोजित चिन्हांकन शिविर में चयनित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण 30 मार्च 2026 को मानस भवन (रविशंकर स्टेडियम के पास) दुर्ग में मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान चिन्हित दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, सामान्य ट्राइसाइकिल, वॉकर, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, सीपी चेयर, स्मार्ट केन, कृत्रिम पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे। समाज कल्याण विभाग द्वारा चिन्हांकन शिविर में चयनित दिव्यांगजनों से अपील की गई है कि वे वितरण दिवस पर अपने टोकन/पर्ची अनिवार्य रूप से साथ लाएं, ताकि निर्धारित सूची के अनुसार सहायक उपकरणों का वितरण सुचारू रूप से किया जा सके।

ग्राफ्टेड बैंगन की उन्नत खेती से अमृत बंजारे की आर्थिक स्थिति हुई सुदृढ़

महासमुंद (समय दर्शन)। जिले के विकासखंड महासमुंद अंतर्गत ग्राम बम्बुरडीह की कृषक अमृत बाई बंजारे, श्री शुद्धुराम बंजारे ने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। अमृत बंजारे बताती है कि उनकी शैक्षणिक योग्यता 5वीं कक्षा तक है। पूर्व में वे अपनी कुल 2.87 हेक्टेयर भूमि में परंपरागत रूप से धान की खेती किया करती थीं, जिसमें उत्पादन अपेक्षाकृत कम एवं लागत अधिक होने के कारण उन्हें पर्याप्त लाभ प्राप्त नहीं हो पाता था।

वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी 1.45 हेक्टेयर सिंचित भूमि में ग्राफ्टेड बैंगन (किस्म व्हीएनआर 212) की उन्नत खेती प्रारंभ की। इस दौरान उन्होंने ड्रिप सिंचाई प्रणाली, मल्चिंग पेपर एवं अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से खेती की। इन तकनीकों के उपयोग से जहां जल की बचत हुई, वहीं फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी वृद्धि हुई।

शांति और प्रगति के नए युग में प्रवेश कर रहा बस्तर : बाफना

31 से पहले ही लाल आतंक मुक्त हुआ बस्तर

भविष्य की समरसता के लिए पूर्व विधायक ने रखा अपना विजन

जगदलपुर (समय दर्शन)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा बस्तर से नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा से पूर्व मिली ऐतिहासिक सफलता पर जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संतोष बाफना ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दशकों के खूनी संघर्ष के बाद बस्तर अब शांति और प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूर्व विधायक बाफना ने पत्र के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार प्रकट करते हुए, बस्तर की सामाजिक स्थिरता और सर्वांगीण विकास हेतु अपना विजन और सुझाव प्रेषित किया है। पूर्व विधायक बाफना ने कहा है कि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से ही बस्तर में नक्सल हिंसा का दौर थमा है। शासन की जीरो टॉलरेंस की नीति और विकासपरक दृष्टिकोण ने आदिवासियों के मन में सुरक्षा और विश्वास का नया संचार किया है ।नक्सलवाद के अंत के बाद वर्ग-संघर्ष मुक्त समाज और तीव्र विकास हो।

पूर्व विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि बस्तर एक बहु-सांस्कृतिक अंचल है। जहाँ

आदिवासी समाज के साथ-साथ विभिन्न वर्गों के लोग सदियों से निवास कर रहे हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद किसी भी प्रकार के 'वर्ग संघर्ष' की स्थिति को रोकने के लिए विशेष सतर्कता और प्रयासों की आवश्यकता है।

सामाजिक समरसता समितियों का गठन: ग्राम और जिला स्तर पर 'शांति एवं संवाद समितियों' का गठन हो। जिसमें सभी समाज प्रमुखों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

भूमि, संसाधनों और अधिकारों को लेकर होने वाले संभावित छोटे विवादों को आपसी बातचीत और कानूनी जागरूकता से सुलझाने के लिए एक पारदर्शी तंत्र बनाया जाए।

संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण वनाधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। जिससे किसी भी वर्ग में असुरक्षा की भावना पैदा न हो ।पत्र के आखिर में नक्सलवाद के अंत को पूर्व विधायक बाफना ने एक पड़ाव माना है और कहा है कि असली लक्ष्य एक ऐसा 'समृद्ध बस्तर' बनाना है जहाँ हर वर्ग का व्यक्ति बिना किसी डर और भेदभाव के प्रगति कर सके। इसलिए पूर्व विधायक बाफना ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नक्सल मुक्त बस्तर को अब 'समरस और विकसित बस्तर' बनाने हेतु विशेष पैकेज और निगरानी तंत्र विकसित करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत गोड़म में 'एरिया प्रीमियर लीग 2026' का भव्य आगाज़: विजेता को मिलेगा 61,000 रुपये का इनाम

सारंगढ़/गोड़म (समय दर्शन)। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और स्थानीय खिलाड़ियों के लिए उत्साह का केंद्र रहने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता 'एरिया प्रीमियर लीग 2026 (सीजन-4)' का आज ग्राम पंचायत गोड़म में शानदार शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर खेल भावना और क्षेत्रीय एकजुटता का अनूठा संगम देखने को मिला।

प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा पूजा-अर्चना और फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरिनाथ खूटे (प्रदेश महामंत्री, भाजपा अजा मोर्चा) उपस्थित रहे। साथ ही, सारंगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता श्री दुर्गा प्रताप सिंह ठाकुर जी के विशेष मार्गदर्शन में इस आयोजन की शुरुआत हुई।

अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह अनुशासन और टीम वर्क की भावना भी सिखाता है। गोड़म जैसे ग्रामीण अंचलों में ऐसे बड़े आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है।

आकर्षक पुरस्कार और नियम

?एरिया प्रीमियर लीग का यह चौथा सीजन अपनी भव्यता के लिए चर्चा में है। टूर्नामेंट की इनामी राशि खिलाड़ियों के बीच आकर्षण का मुख्य केंद्र है:प्रथम पुरस्कार: 61,000/- रुपये,द्वितीय पुरस्कार: 41,000/- रुपये।

इस प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो अपनी निर्धारित ग्राम टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बसना में प्लाटिंग का फल-फूल रहा अवैध कारोबार

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं, अधिकारियों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

बसना (समय दर्शन)। नगर पंचायत बसना एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनियों के निर्माण का मामला लगातार सुर्खियों में है। इस संबंध में अखबारों में पहले भी खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं और प्रशासन की ओर से नोटिस जारी करने व जांच की बात भी कही गई थी। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर अवैध प्लॉटिंग का खेल थमता नजर नहीं आ रहा है।

नगर पंचायत बसना और उससे लगे पंचायत क्षेत्रों में बीते 15 से 20 वर्षों से बिना एनओसी के कॉलोनियां विकसित होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नियमों को दरकिनार कर कई स्थानों पर तेजी से निर्माण और प्लाटिंग का कार्य चल रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनाइजर एक्ट का पालन नहीं किया जा रहा है, जबकि खेतों की जमीन तक को काटकर अवैध रूप से प्लॉट बनाए जा रहे हैं साथ ही धड़ल्ले से मकान बनते जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इन भूमाफ्मिाओं पर कार्रवाई के बजाय संबंधित अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार बसना नगर सहित बंसुला,अरेकेल और खेमड़ा पंचायत क्षेत्र में कई वर्षों से अवैध प्लाटिंग का कारोबार तेजी से फैल रहा है। कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री धड़ल्ले से हो रही है और भूमाफ्मिया किसानों से जमीन

खरीदकर उसे छोटे-छोटे प्लॉट में काटकर बेच रहे हैं। इन कॉलोनियों के लिए न तो नगर पंचायत और न ही ग्राम पंचायत से विधिवत अनुमति ली जा रही है। इसके कारण बिना किसी नियोजन के कॉलोनियां बस रही हैं, जो आने वाले समय में बड़ी समस्या का कारण बन सकती हैं।

बसना में श्याम विहार, वार्ड क्रमांक 12 गुरुनानक धर्मशाला के पीछे,बसनाङ्कपदमपुर मार्ग किनारे, बंसुला-बसना में अरेकेल मार्ग, अरेकेल डिपा, खेमड़ा पंचायत क्षेत्र और राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वार्ड क्रमांक 02,03,04,05,06, सहित कई स्थानों पर कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। सवाल यह उठ रहा है कि मिली जानकारी के अनुसार इन कॉलोनियों में से किसी ने कॉलोनाइजरों ने नियमों के तहत लाइसेंस नहीं लिया है और कॉलोनाइजर एक्ट का पालन भी नहीं किया जा रहा है।

खबरों के बाद भी कार्रवाई नहीं

इस पूरे मामले को लेकर समय-समय पर खबरें प्रकाशित होती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। कई मामलों में के वल नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है, उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है।

शिकायतकर्ता देशराज दास ने बताया कि अगर बसना के संबंधित अधिकारी अगर कार्रवाई नहीं करते हैं तो महासमुंद कलेक्टर के साथ ही राजस्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के पास भी शिकायत किया जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन चाहे तो अवैध प्लाटिंग

पर तुरंत रोक लगा सकती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल नोटिस जारी कर दिया जाता है। इसके बाद अधिकारी चुप्पी साध लेते हैं और कॉलोनी बनाने वालों के हौसले और भी बुलंद हो जाते हैं। ऐसे में लोगों के बीच यह चर्चा भी होने लगी है कि आखिर कार्रवाई से अधिकारी क्यों बच रहे हैं। यदि समय रहते सख्ती नहीं हुई तो बसना और आसपास के क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का जाल और फैल सकता है।

कार्रवाई का इंतजार

अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई के लिए नगरीय क्षेत्र में नगर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग जिम्मेदार है, लेकिन अब तक किसी भी स्थान पर बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। इससे लोगों में सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अवैध प्लॉटिंग के इस कारोबार पर कब शिकंजा कसा जाएगा।

इसे पहले ग्राम पंचायत अरेकेल की सरपंच श्रीमती मंजू ब्रिजलाल चौहान ने बताया था कि संबंधित भूमि पर की जा रही प्लाटिंग के लिए पंचायत द्वारा किसी भी प्रकार की अनुमति या एनओसी जारी नहीं की गई है। यदि बिना अनुमति के कॉलोनी विकसित की जा रही है तो यह नियमों के विरुद्ध है और संबंधित विभाग द्वारा जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

वहीं ग्राम पंचायत खेमड़ा की सचिव श्रीमती रंजू भोई ने भी स्पष्ट किया था कि सोनी कॉलोनी में हो रही प्लॉटिंग के लिए पंचायत की ओर से कोई अनुमति या अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है।

साथ ही सूरज सिदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत बसना ने कहा था की संबंधित व्यक्ति को दो बार नोटिस जारी किया जा चुका है। उनके द्वारा अब तक कोई भी आवेदन कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कॉलोनी अवैध है और नियमानुसार उसे अवैध कॉलोनी घोषित करने की प्रक्रिया की जाएगी। लेकिन अब तक कार्रवाई जोरो पर है अब आगे देखते हैं कि अधिकारी क्या कुछ कार्रवाई करते हैं या अधिकारी चुप्पी साधे रहेंगे।

कृषि भूमि पर प्लाटिंग, नियमों की अनदेखी

नियमों के अनुसार कृषि भूमि पर सीधे प्लाटिंग करना प्रतिबंधित है। इसके लिए पहले भूमि का डायवर्सन कराना अनिवार्य होता है और कॉलोनाइजर लाइसेंस भी लेना पड़ता है। लेकिन बसना,बंसुला,अरेकेल,खेमड़ा क्षेत्र में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। बिना अनुमति कृषि भूमि को प्लॉट में बदलकर बेचा जा रहा है, जिससे शासन को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है और आम जनता भी ठगी का शिकार हो सकती है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर मकान नं.-107, वार्ड नं. 26, मदर टेरेसा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)- 494001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, मो. 9827104452, दुर्ग कार्यालय- फोन नं.-0788-4051213, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CTHIN/26/A1375